दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 । अंक: 252 जयपुर, बुधवार, 21 अगस्त, 2024 । भाद्रपद, कृष्ण पक्ष-द्वितीया, विसं 2081 पृष्ठ: 10 | मूल्य: 2.00

आज भारत बंद का आह्वान: इंटरनेट सेवा भी रहेगी बंद

व्यापक असर की संभावना, राज्य के कई जिलों के स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी

बेधड़क | जयपुर

भारत बंद के आह्वान को लेकर प्रदेश के अधिकांश जिलों ने बुधवार को स्कूल-कॉलेजों में एक दिन की अवकाश के आदेश जारी कर दिए हैं। इनमें दौसा, डीग, जयपुर, भरतपुर, धौलपुर, झुंझुनूं, सवाई माधोपुर और बाड़मेर जिले शामिल हैं। देर शाम तक अन्य जिलों में भी अवकाश के आदेश जारी होने की संभावनाएं हैं।

दौसा जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने जारी किए आदेश में कहा कि बुधवार को कोचिंग, लाइब्रेरी, हॉस्टल, स्कूल, आंगनबाड़ी एवं कॉलेजों में छात्र-छात्राओं का अवकाश रहेगा। इसी प्रकार भरतपुर जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव ने भी आदेश जारी किया कि जिले के सभी सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालयों/ महाविद्यालयों में शैक्षणिक कार्य बंद रहेगा एवं सुबह 9 से शाम 6 बजे तक इंटरनेट सेवाएं भी बंद रहेंगी।"

भारत बंद कराने की वजह है यह

दरअसल, सुप्रीम द्वारा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्गों के आरक्षण को लेकर दिए गए निर्णय के विरोध में सोशल मीडिया पर 21 अगस्त को भारत बंद का आह्वान किया गया है। आरक्षण बचाओ संघर्ष समिति ने एससी/एसटी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी-एसटी कोटे के अंदर कोटा के विरोध में इस भारत बंद की घोषणा की है, सुबह 6 बजे से रात 8 बजे तक भारत बंद का अह्वान किया गया है। इस दौरान दुकानें, बाजार व शैक्षणिक संस्थानें बंद रहने की प्रबल संभावना है।

पुलिस-प्रशासन मुस्तैद

भारत बंद को लेकर राजस्थान के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राजस्थान में कानून व्यवस्था, शांति और यातायात सुचारू करने के लिए की गई व्यवस्था की सोमवार को सचिवालय में आयोजित बैठक में समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि बंद के आयोजकों के निरन्तर सम्पर्क में रहें तथा जुलूस के रूट, बंद में शामिल लोगों की संख्या, कितने बजे जुलूस कहां पहुंचेगा आदि जानकारी सम्बंधित अधिकारियों से साझा करें। साथ ही सोशल मीडिया पर निगरानी रखने, अफवाह फैलाने और भड़काने वाली पोस्ट डालने आदि को चिह्नित कर कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

व्यापारियों का स्वैच्छिक बंद

जयपुर व्यापार मंडल के अध्यक्ष डॉ. ललित सिंह सांचौरा ने बताया कि हमने सभी व्यापारियों से कहा है कि किसी एक संगठन ने 21 अगस्त को बंद का आह्वान किया है। जयपुर व्यापार मंडल ने यह फैसला लिया है कि यह व्यापारियों का स्वैच्छिक बंद होगा। इसका फैसला व्यापारी और व्यापार मंडल स्वयं करें। उन्होंने कहा कि हर समस्या का पहला हमला व्यापारियों पर ही होता है।

देश के सर्वाधिक चर्चित रहे छाया चित्र कांड पर फैसला

अजमेर सेक्स स्कैंडल के 6 दोषियों को 32 साल बाद उम्रकैद की सजा

- 100 से ज्यादा छात्राओं को बनाया था शिकार
- फंसाते, रेप करते, फोटो लेते... फिर ब्लैक मेल
- बेशर्म मुल्जिम कोर्ट में पहुंचे तब मुस्कुरा रहे थे
- सजा सुनने के बाद मुजरिम सिर नीचे करके गए

बेधड़क | अजमेर

देश और राजस्थान के 1992 के बहुचर्चित अजमेर सेक्स और ब्लैकमेल कांड में मंगलवार को बड़ा फैसला आया है। 6 दोषियों को कोर्ट ने दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही, सभी 6 दोषियों पर 30 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। इससे पहले अजमेर के पॉक्सो कोर्ट ने सुबह ही 6 आरोपियों को दोषी ठहराया था। ये मामला मेयो कॉलेज की 100 से ज्यादा छात्राओं से जुड़ा है, जिनके साथ ब्लैकमेलिंग हुई थी। 32 साल बाद इस मामले में फैसले के समय सभी दोषी कोर्ट में मौजूद थे।

पॉक्सो कोर्ट ने माना सभी को दोषी

यह मामला 32 साल पुराना है, जब अजमेर के मशहूर मेयो कॉलेज की 100 से ज्यादा छात्राओं को आरोपियों ने फोटो खींचकर ब्लैकमेल किया था। आरोपियों में नफीस चिश्ती, नसीम उर्फ टार्जन, सलीम चिश्ती, इकबाल भाटी, सोहेल गनी और सैयद जमीन हुसैन शामिल हैं। पॉक्सो कोर्ट ने इन सभी को दोषी पाया है। दोषी पाए जाने के बाद पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया और दोपहर 2 बजे फैसले के समय फिर से कोर्ट में पेश किया।

बेशर्मी... चेहरे पर शिकन नहीं, बल्कि मुस्कान

कॉलेज की सौ से ज्यादा लड़कियों के साथ दरिंदगी करने वाले ये दोषी जब कोर्ट पहुंचे तो बेशर्मी की सारी हदें पार कर दी। दोषी करार दिए जाने से पहले वो एक दूसरे के साथ मुस्कुराते हुए नजर आए। हालांकि उम्रकैद की सजा सुनाए जाने के बाद उनकी गर्दन झुकी थी। कोर्ट से सजा सुनाए जाने के बाद सभी दोषियों को अजमेर जेल भेज दिया गया।

कुल 18 आरोपी थे, जिनमें से 9 को पहले ही मिल चुकी है सजा

इस मामले में कुल 18 लोग आरोपी थे। इनमें से 9 को पहले ही सजा हो चुकी है, जबकि एक आरोपी ने आत्महत्या कर ली थी। एक अन्य आरोपी पर एक बिजनेसमैन के बेटे से कुकर्म के आरोप में अलग से केस चल रहा है। एक आरोपी अभी भी फरार है, जिसे कोर्ट ने भगोड़ा घोषित कर दिया है। इस मामले में 6 आरोपियों की ट्रायल इसी साल जुलाई में पूरी हुई थी और 8 अगस्त को फैसला आना था, लेकिन अब जाकर कोर्ट ने अपना फैसला सुनाया है। फैसले के बाद सभी की निगाहें अब सज़ा की अवधि पर टिकी थी।

कई हस्तियों की बेटियां, 6 ने की सुसाइड

100 से ज्यादा लड़कियां इस स्कैंडल का हिस्सा बनीं। सभी की उम्र 17-20 साल के बीच थी। राजस्थान के एक गर्ल्स कॉलेज में पढ़ने वाली लड़कियों में कई मशहूर हस्तियों की बेटियां भी शामिल थीं। लड़कियों को बहला फुसलाकर उनका रेप किया गया, वीडियो बनाई गई और फिर ब्लैकमेल करके एक के बाद एक कई लड़कियां इस स्कैंडल में फंसती चली गईं। 1992 में जब इस स्कैंडल का पर्दाफाश हुआ तो सभी के पैरों तले नीचे से जमीन खिसक गई। पुलिस चाहकर भी एक्शन नहीं ले पाई और जिसका डर था, वही हुआ। कुछ लड़कियों ने इज्जत बचाने के लिए आत्महत्या कर ली तो कई लोग इस सेक्स स्कैंडल के खिलाफ सड़कों पर उतर आए।

अधिकारियों से लेकर राजनेता तक थे शामिल

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फारूक चिश्ती नामक शख्स ने स्कूल में पढ़ने वाली एक लड़की को अपना निशाना बनाया। फारूक ने लड़की के साथ रेप किया और उसकी अश्लील तस्वीरें खींच ली। उन्हीं तस्वीरों को दिखाकर फारूक ने लड़की को ब्लैकमेल किया और लड़की से अपनी सहेलियों को फार्म हाउस पर लाने के लिए कहा। इस तरह एक के बाद एक कई लड़कियां इस जाल में फंसती चली गईं।

एक आरोपी अभी भी फरार

बता दें कि इस केस में कुल आरोपियों की संख्या 18 थी, जिनमें से 9 को पहले पहले ही सजा हो चुकी है। इस कांड का एक आरोप अभी भी फरार चल रहा है, जिसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी हो रखा है।

5 माह पूर्व आए थे कांग्रेस से भाजपा में

केंद्रीय मंत्री बिट्टू राजस्थान से बीजेपी के राज्यसभा प्रत्याशी

बेधड़क | नई दिल्ली/जयपुर

बीजेपी ने राज्यसभा चुनावों के लिए राजस्थान से प्रत्याशी की घोषणा कर दी है। पार्टी ने रवनीत सिंह बिट्टू को प्रत्याशी बनाया है। बिट्टू पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह के पोते हैं। बिट्टू मोदी सरकार में रेल राज्य मंत्री हैं।

कांग्रेस ने कोई प्रत्याशी नहीं उतारने का फैसला लिया है, इसलिए बिट्टू निर्विरोध राज्यसभा सदस्य चुने जा सकते हैं। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है, इसलिए बिट्टू बुधवार को ही नामांकन भरेंगे। इससे पहले उनके हरियाणा से चुनाव लड़ने की भी अटकलें चल रही थीं, लेकिन वहां से भाजपा ने वहां से कांग्रेस छोड़कर आईं नेता किरण चौधरी को प्रत्याशी बनाया है। लुधियाना से 2 बार सांसद रह चुके रवनीत बिट्टू लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। बिट्टू पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत बेअंत सिंह के पोते और पूर्व मंत्री तेज प्रकाश सिंह के बेटे हैं।

इसलिए जरूरी है जीतना

भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी ने उन्हें लुधियाना से टिकट दिया, लेकिन उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग से 20 हजार 942 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। लोकसभा चुनाव में हार के बाद भी भाजपा ने पंजाब से किसी और को न चुनकर मोदी 3.0 सरकार में बिट्टू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाया है। इसके बाद उनका राज्यसभा में जाकर सांसद के तौर पर शपथ लेना बेहद जरूरी है।

जीत के लिए 99 वोट, बीजेपी के पास 114

राज्यसभा के सदस्यों को विधायक चुनते हैं। राज्यसभा के चुनाव में अपनाए जाने वाले फॉर्मूले के हिसाब से जितनी सीटें खाली होती हैं, उसमें एक जोड़कर जितनी विधानसभा सीटें होती हैं, उसमें भाग दिया जाता है। भाग के परिणाम में एक जोड़ा जाता है। इससे जो रिजल्ट आता है, उतने वोट एक सीट पर जरूरी होते हैं। राजस्थान में 1 सीट पर चुनाव होगा। इसमें 1 जोड़ेंगे तो 2 होंगे। राजस्थान में कुल 200 विधानसभा सीटें हैं, लेकिन 6 सीटें खाली हैं। ऐसे में 194 में 2 का भाग देकर रिजल्ट में 1 जोड़ेंगे तो संख्या 98 आएगी। इस तरह राज्यसभा चुनाव में जीत के लिए 98 वोट चाहिए। बीजेपी के पास 114 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास मात्र 66 विधायक हैं। संख्या बल के हिसाब से बीजेपी की जीत तय है।

जरूरी खबर

UPSC में लेटरल एंट्री का आदेश 3 दिन में वापस

नई दिल्ली। UPSC ने लेटरल एंट्री से होने वाली नियुक्ति का प्रस्ताव रद्द कर दिया है। UPSC ने 17 अगस्त को लेटरल एंट्री के जरिए 45 पोस्ट के लिए वैकेंसी निकाली थी। केंद्रीय कार्मिक मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को UPSC चेयरमैन से नोटिफिकेशन रद्द करने को कहा। उन्होंने कहा कि PM मोदी के कहने पर यह फैसला लिया गया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा था कि लेटरल एंट्री में आरक्षण का प्रावधान नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया था- लेटरल एंट्री के जरिए SC-ST और OBC का हक छीना जा रहा है। मोदी सरकार RSS वालों की लोकसेवकों में भर्ती कर रही है। -पेज 07 भी देखें

सिक्किम में भयंकर भूस्खलन... तीस्ता पावर स्टेशन तबाह

गंगटोक। सिक्किम के बालूतार में मंगलवार की सुबह भीषण भूस्खलन आया। इसके कारण वहां स्थित नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन (NHPC) के तीस्ता स्टेज 5 बांध का पावर स्टेशन पूरी तरह से तबाह हो गया। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में पहाड़ के एक बड़े हिस्से को पावर प्लांट पर गिरता हुआ देखा जा सकता है। राहत ही बात यह रही कि इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं आई है। दरअसल, बिजलीघर को कुछ दिन पहले ही खाली करा लिया गया था।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

प्रकोप पर प्रहार

अब सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया बनाएगा मंकी पॉक्स की वैक्सीन

- WHO ने दिया पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न करार
- दुनिया भर में बढ़ते जा रहे हैं इस रोग से पीड़ितों के मामले
- भारतीय कंपनी ने इसके टीके पर शुरू कर दिया है काम

एजेंसी | नई दिल्ली

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया दुनिया भर में मामलों में बढ़ोतरी की चिंताओं के बीच एमपॉक्स (मंकी पॉक्स) वैक्सीन विकसित कर रहा है। 14 अगस्त को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अफ्रीका के कई देशों में मामलों में तेज वृद्धि के बाद एमपॉक्स को "पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न" करार दिया. "एमपॉक्स प्रकोप के कारण घोषित वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल के मद्देनजर, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया वर्तमान में काम कर रहा है। कांगो के अलावा, जुलाई से बुरुंडी, केन्या, रवांडा और युगांडा जैसे अन्य अफ्रीकी देशों में भी एमपॉक्स के प्रकोप की सूचना मिली है, इसके बाद स्वीडन में भी कुछ मामले सामने आए हैं।

एमपॉक्स और भारत

भारत में, पाकिस्तान और बांग्लादेश से यात्रा करने वाले कई यात्रियों ने एमपॉक्स के लक्षणों की सूचना दी है। इसके बाद, केंद्र सरकार ने 19 अगस्त को हवाई अड्डों, बंदरगाहों और बांग्लादेश और पाकिस्तान की सीमाओं पर अधिकारियों को सूचित किया कि वे आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के बारे में सतर्क रहें, जिनमें एमपॉक्स के लक्षण दिखाई देते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री नड्डा के निर्देश पर सतर्कता

खतरनाक एमपॉक्स यानी मंकीपॉक्स ने अब भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान में दस्तक दे दी है। ऐसे में इसने भारत के लिए भी चिंता पैदा कर दी है। इसके मद्देनजर केंद्र ने बांग्लादेश और पाकिस्तान हवाई अड्डों, बंदरगाहों और सीमाओं पर अधिकारियों को आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को लेकर सतर्क रहने को कहा है। पिछले सप्ताह केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार हवाई अड्डों, बंदरगाहों और ग्राउंड क्रॉसिंग पर स्वास्थ्य सेवा केंद्रों को संवेदनशील बनाया जाएगा, जबकि एमपॉक्स के मामलों का पता लगाने, उन्हें अलग करने और उनके प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ-साथ 32 प्रयोगशालाएं तैयार रहेंगी। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत में अभी एमपॉक्स के बड़े पैमाने पर फैलने का जोखिम कम है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार भारत में कुल 30 मामले पाए गए, जिनमें से आखिरी मामला मार्च 2024 में सामने आएगा।

कोटा में फिर एक स्टूडेंट की मौत, बाथरूम में मिली लाश

कोटा। कोटा में मंगलवार को फिर एक स्टूडेंट के मौत का मामला सामने आया है। हॉस्टल वालों ने बच्चे के मरने की खबर पुलिस को दी। मगर, घरवाले बिना केस दर्ज कराए छात्र का शव लेकर घर चले गए। मृतक का नाम कुशाग्र रस्तोगी है, जो उत्तर प्रदेश का निवासी है। इलाके के डीएसपी राजेश ने कुशाग्र की मां के हवाले से बताया वह रोज की तरह सुबह उठने के बाद फ्रैश होने के लिए गया था, लेकिन 15-20 मिनट गुजरने के बाद भी वह बाहर नहीं आया। खोलकर देखा तो वह बेहोश पड़ा था। उसे अस्पताल ले जाया गया तो चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

जरूरी खबर

राज्यपाल के सचिव पद पर डॉ. पृथ्वी ने पदभार संभाला

जयपुर। राज्यपाल के सचिव पद पर मंगलवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डॉ.पृथ्वी ने पदभार ग्रहण किया है। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने राज्यपाल सचिवालय के अधिकारियों और कर्मचारियों से अनौपचारिक संवाद किया। उन्होंने सभी से प्रतिबद्धता और समर्पण भाव से कार्य करने का आह्वान किया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. पृथ्वी भारतीय प्रशासनिक सेवा के वर्ष 2002 बैच के अधिकारी हैं। बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड सर्जरी (एमबीबीएस) एवं अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त डॉ. पृथ्वी ने जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी यूएसए से स्वास्थ्य अर्थशास्त्र, स्वास्थ्य नेतृत्व और प्रबंधन में मास्टर्स किया है।

ईडी ऑफिस पर कांग्रेस का प्रदर्शन कल

जयपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी द्वारा 22 अगस्त को जयपुर में ईडी कार्यालय के बाहर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि कांग्रेस पार्टी द्वारा लंबे समय से अडानी महाघोटाले की जांच जेपीसी से कराने की मांग की जा रही है तथा हिंडनबर्ग रिपोर्ट में उजागर हुए तथ्यों में वित्तीय बाजार में नियंत्रण के लिए जिम्मेदार संस्थान सेबी द्वारा अपने कर्तव्यों के साथ समझौता करने की जानकारी मिली है।

एनएसयूआई ने किया भारत बंद का समर्थन

जयपुर। एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने भारत बंद आंदोलन का समर्थन किया है। उन्होंने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से इस आंदोलन को सफल बनाने की अपील भी की है। जाखड़ ने बताया है कि आज SC/ST वर्गीकरण के खिलाफ देश भर में आवाज उठाने का समय है। हम सभी समानता और न्याय की मांग के साथ इस भारत बंद का समर्थन करते हैं। आरक्षण का दुरुपयोग नहीं होना चाहिए और इसके विरोध में हमारी आवाज़ बुलंद होनी चाहिए। समाज में सच्चे समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए इस बंद में हिस्सा लें और अपना समर्थन दें। उन्होंने कहा कि वे सैकड़ों युवाओं के साथ इस आंदोलन में शामिल होंगे।

आपदा मंत्री बोले- हेलिकॉप्टर को लेकर बेवजह पैदा किया जा रहा है विवाद

मेरी नाराजगी खुद से, भवानी जागेगी तब मान जाऊंगा: किरोड़ी

बेधड़क | जयपुर

आपदा मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने हेलिकॉप्टर नहीं मिलने के कारण नाराजगी की चर्चाओं का खंडन किया है। डॉ. किरोड़ी ने कहा कि हेलिकॉप्टर को लेकर बेवजह विवाद पैदा किया जा रहा है। इस मुद्दे पर मेरी कोई नाराजगी नहीं है। मैं तो सड़क छाप आदमी हूं। सड़क पर घूमता रहता हूं।

कांग्रेस के आरोपों का जवाब देते हुए डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा है कि आपदा मंत्री बाढ़ में घूम रहा है। मैं भरतपुर, बयाना हिंडौन, करौली घूम कर आया हूं। भगवान न करे कि कहीं फिर से बाढ़ आए, जहां-जहां आपदा आएगी, मैं वहां जाऊंगा। मीणा ने कहा कि मुझे मनाने की जरूरत नहीं है। मैं पार्टी, मुख्यमंत्री या फिर किसी और व्यक्ति से नाराज नहीं हूं। मेरी नाराजगी खुद से है। मैं 45 साल से जनता के बीच में रहकर संघर्ष कर रहा हूं, लेकिन जनता के संघर्ष को वोटों में बदल पार्टी में नहीं डलवा पाया।

किरोड़ी खुद से कब मानेंगे? इस सवाल पर किरोड़ी बोले वैसे भी मानने का तो समय आता है। जब भवानी जागेगी, तब मान जाऊंगा। वरना तो चल ही रहा है।

'मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले के साथ हूं'

डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि क्रीमीलेयर को लेकर देश में जिस तरह से व्यवहार चल रहा है। इसमें मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले के साथ हूं। मेरे गांव में एक व्यक्ति 30 साल से पहाड़ खोदकर, मजदूरी करके पेट पाल रहा है। उसका बेटा भी वही काम कर रहा है। वह मेरा पड़ोसी है, जबकि मैं डॉक्टर बन गया। कैबिनेट मंत्री बन गया, मेरा भाई अफसर बन गया। मेरा पड़ोसी अब तक कुछ नहीं बन पाया। इसलिए अब उसे भी मौका मिलना चाहिए।

नेहरू के कालखंड से शुरू हुई लेटरल एंट्री

डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि लेटरल एंट्री नेहरू के कालखंड से शुरू हुई थी। इसे इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह ने भी जारी रखा था] लेकिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हम पर बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूं, मनमोहन सिंह ने कांग्रेस राज्य में सीधे वित्त सचिव बनाया था। क्या वह लेटरल एंट्री नहीं थी। मॉन्टेक सिंह अहलूवालिया को योजना आयोग का उपाध्यक्ष बनाया। क्या वह लेटरल एंट्री नहीं थे। क्या सैम पित्रोदा लेटरल एंट्री नहीं थे। कांग्रेस ने जिसको चाहा उसे कुछ भी बना दिया, लेकिन मोदी के आने के बाद इस सिस्टम को सुधारा जा रहा है। यूपीएससी द्वारा इसकी भर्ती की जाती है। राहुल गांधी यह भूल गए हैं, काठ की हांडी एक बार चढ़ती है। बार-बार नहीं चढ़ती है।

भाजपा सदस्यता अभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला

विचारधारा व कार्यकर्ता आधारित पार्टी है भाजपा: डॉ. राधा मोहन

बेधड़क | जयपुर

भारतीय जनता पार्टी सदस्यता अभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री, राज्यसभा सांसद और प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल ने कहा कि बीजेपी किसी परिवार या व्यक्ति विशेष या फिर नेता आधारित पार्टी नहीं है, यह तो विचारधारा और कार्यकर्ता आधारित वो पार्टी है, जहां हर कार्यकर्ता का सम्मान, उसको परिवार का भाव और आत्मीयता का अहसास कराया जाता है। ऐसे में भाजपा की सदस्यता अभियान किसी व्यक्ति को जोड़ने तक सीमित नहीं है, यह अभियान विचारधारा आधारित कार्यकर्ताओं को अपना बनाने का अभियान है। भाजपा ने आज तक अपने विचारों से समझौता नहीं किया, इसीलिए आज विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रित पार्टी के रूप में खड़ी है।

भाजपा के प्रदेश प्रभारी डॉ. राधामोहन दास अग्रवाल ने महाराणा प्रताप के साहस, महाराज सूरजमल के शौर्य, भामाशाह के समर्पण, पन्नाधाय के बलिदान, मीरा की भक्ति के साथ पर्यावरण प्रेमी अमृतादेवी विश्नोई की इस पावन धरा को नमन करते हुए कहा कि देशभर में 1500 से अधिक राजनीतिक दलों में से भाजपा विचार आधारित पार्टी है। पार्टी ने कभी विचारों से समझौता नहीं किया। इस पार्टी में संगठन से ऊपर कोई नहीं है। इसलिए कार्यशाला में अनुपस्थित रहने वाले सांसद, विधायक, मंत्री, पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष सहित तमाम अपेक्षित लोगों से नहीं आने का कारण पूछा जाएगा। भाजपा ने जनसंघ की स्थापना से लेकर आज तक करीबन 44 साल के इतिहास में कभी अपनी विचारधारा को नहीं बदला। इस पार्टी को जिसने छोड़ा, उसने या तो पश्चाताप किया या फिर संगठन में आकर फिर से जुड़ गए। डॉ. अग्रवाल ने सदस्यता अभियान में प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे की योजनाओं का जिक्र किया और राजे द्वारा राजस्थान को दी गई भामाशाह योजना की खुले मन से तारिफ की, वहीं दूसरी ओर संगठन की भट्टी में तप कर निकलने वाले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सीएम शर्मा ने शपथ लेने के साथ ही अपने नेक इरादे जाहिर कर दिए।

विपक्ष के मंसूबे नहीं होने देंगे पूरे: मदन राठौड़

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड ने सदस्यता अभियान की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा पिछली बार से अधिक सदस्य बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र की ओर से प्रत्येक बूथ को 200 सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन हमें इससे अधिक ही बनाने हैं। आज पड़ोसी देश में जो विकराल, विपरीत और अराजकता वाली स्थिति बनी है वैसे ही हालात कुछ विपक्षी ताकतें भारत और राजस्थान में बनाना चाहते हैं, लेकिन भाजपा और भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा विपक्षी दलों के मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। इसके लिए भाजपा की विचारधारा वाले सक्रिय कार्यकर्ताओं को जोड़ने की आवश्यकता है।

जिला, मंडल और बूथ स्तर पर होगी कार्यशाला: भजनलाल

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा के ऊर्जावान कार्यकर्ता ही पार्टी की ताकत और रीढ़ की हड्डी है। कार्यकर्ताओं के परिश्रम की बदौलत आज ये विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। एक समय था जब देश तुष्टीकरण, भ्रष्टाचार की दिशा में जा रहा था, लेकिन इसके बाद वो दौर शुरू हुआ जब जनसंघ की स्थापना हुई और देशवासियों ने जनसंघ की विचारधारा पर विश्वास जताकर देश को एक नई दिशा प्रदान की। भाजपा के सदस्यता अभियान में प्रदेश स्तरीय कार्यशाला की जा रही है। इसके बाद जिला, मंडल और बूथ स्तर पर चरणबद्ध तरीके से कार्यशाला की जाएगी और सदस्य बनाने के अभियान की शुरुआत की जाएगी।

मोदी 1 सितंबर को करेंगे अभियान का आगाज

भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने पीपीटी के माध्यम से अभियान की रूपरेखा बताई। डॉ. अरुण चतुर्वेदी ने कार्यक्रम के बाद प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 सितंबर को सदस्य बनकर इस अभियान का आगाज करेंगे। इसके बाद 2 व 3 सितंबर तक राज्यों में मुख्यमंत्रियों को सदस्य बनाया जाएगा और 4 से 5 सितंबर के दौरान जिलों में इस अभियान की शुरुआत की जाएगी।

1 अक्टूबर से होगा दूसरा चरण

सदस्यता अभियान के पहले चरण के बाद समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। इसके बाद 1 अक्टूबर से दूसरा चरण शुरू किया जाएगा। भाजपा के सदस्यता अभियान से जुड़ने के लिए पार्टी की ओर से 88 00 00 2024 नंबर जारी किए गए हैं। इन नंबरों पर मिस्ड कॉल कर प्राप्त लिंक पर अपनी जानकारी भरकर सदस्यता नंबर प्राप्त किया जा सकता है। इसके अलावा क्यूआर कोड और वेबसाइड पर जाकर भी सदस्यता ली जा सकती है। सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक डॉ अरुण चतुर्वेदी ने बताया कि अभियान के तहत भाजपा के संविधान, संकल्प, मूल दर्शन और पंच निष्ठाओं में विश्वास करने वाले व्यक्ति को ही सदस्य बनाया जाएगा। एक फोन से एक व्यक्ति का पंजीयन किया जाएगा।

नगरीय निकायों के उपचुनाव की घोषणा

11 जिलों की 12 नगर निकायों में 5 सितंबर को पड़ेंगे वोट

बेधड़क | जयपुर

राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रदेश के नगरीय निकायों में विभिन्न कारणों से रिक्त हुए पदों पर उपचुनाव के लिए चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया है। चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में तत्काल प्रभाव से आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं सचिव संचिता बिश्नोई ने बताया कि प्रदेश के 11 जिलों बारां, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, चूरू, दौसा, धौलपुर, जालेर, गंगापुर सिटी, कोटा, श्रीगंगानगर एवं अनूपगढ़ के कुल 12 नगर निकायों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सदस्य के रिक्त पदों के लिए उप चुनाव होंगे। उन्होंने बताया कि सदस्य पद के उपचुनाव के लिए मंगलवार को लोक सूचना जारी कर दी गई है।

नामांकन पत्रों को प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 24 अगस्त को 3 बजे तक है। नामांकन पत्रों की संवीक्षा 27 अगस्त को सुबह 10:30 बजे की जाएगी। वहीं 29 अगस्त 3 बजे तक अभ्यर्थी अपना नाम वापस ले सकेंगे। चुनाव चिह्नों का आवंटन 30 अगस्त शुक्रवार को किया जाएगा। 5 सितंबर को सुबह 7 से शाम 5 बजे तक मतदान किया जाएगा, वहीं 6 सितंबर शुक्रवार को सुबह 9 से मतगणना की जाएगी।

अध्यक्ष का चुनाव 17 को

इसी प्रकार अध्यक्षीय पदों के लिए लोक सूचना 9 सितंबर को जारी की जाएगी। नामांकन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 10 सितंबर सुबह 10:30 बजे से अपराह्न 3 बजे तक रहेगी। 11 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से नामांकन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। 12 सितंबर अपराह्न 3 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। नाम वापसी के तुरंत बाद 12 सितंबर को ही चुनाव चिह्नों का आवंटन किया जाएगा। मतदान 17 सितंबर को सुबह 10 बजे से अपराह्न 2 तक होगा तथा मतदान समाप्ति के तुरंत बाद मतगणना की जाएगी।

लेटरल एंट्री भर्ती पर बोले केंद्रीय कानून मंत्री

'कांग्रेस फैला रही है भ्रम'

जयपुर। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने लेटरल एंट्री भर्ती को लेकर विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने अपने शासन में इसी तरह नियुक्ति किया, लेकिन मोदी सरकार ने इसे व्यवस्थित करने का फैसला लिया था। कुछ आपत्तियों के बीच सरकार ने अपने इस फैसले को रद्द करके यह साबित किया है कि सरकार सामाजिक न्याय को ध्यान में रख काम कर रही है।

विधि और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि लेटरल एंट्री के मुद्दे पर कांग्रेस भ्रम फैला रही है, जबकि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान लेटरल एंट्री की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह समेत कई अधिकारी लेटरल एंट्री द्वारा सरकार में शामिल हुए थे। ऐसे कई उदाहरण कांग्रेस सरकार के समय के मिल जाएंगे, जबकि नरेंद्र मोदी ने इस व्यवस्था में बदलाव करते हुए लेटरल एंट्री को और अधिक सुव्यवस्थित करने की दिशा में कदम बढ़ाया था।

'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट-2024

डबल इंजन सरकार को मिले 5.21 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव: राठौड़

बेधड़क | जयपुर

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी और प्रेरक मार्गदर्शन में राजस्थान को अग्रणी प्रदेश बनाने के लिए संकल्पित हैं। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ का संकल्प राजस्थान को औद्योगिक राज्य बनाना है। इसके लिए वह लगातार प्रदेश में इंवेस्टर फ्रेंडली इंडस्ट्रियल पॉलिसी पर केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय और सहयोग से काम कर रहे हैं। इसी का सुखद परिणाम है कि 'राइजिंग राजस्थान' इंवेस्टमेंट समिट 2024 की तारीखों की घोषणा के दो सप्ताह के भीतर ही राजस्थान सरकार को 5.21 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिससे राज्य आर्थिक विकास और समृद्धि के एक नए युग में जाने की ओर अग्रसर होगा। इन औद्योगिक परियोजनाओं से तकरीबन 16 लाख प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान में भाजपा की डबल इंजन सरकार में निवेशकों के जबरदस्त उत्साह से दिखता है कि पिछले कुछ महीनों में ही राजस्थान और इसकी क्षमता पर निवेशकों के विश्वास में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

पिछले कुछ महीनों से हम लगातार राज्य में निवेशकों के अनुकूल माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं, चाहे वो ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में सुधार, या एक अनुकूल तंत्र बनाना और सहायक बुनियादी ढांचे का निर्माण करना हो, या फिर, राज्य में मौजूदा व्यापारिक समुदाय की समस्याओं का समाधान करना हो।

त्रि-दिवसीय मेगा समिट 9 दिसंबर से

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के सार्थक प्रयासों से राज्य सरकार को मिले 5.21 लाख करोड़ रुपए के यह निवेश प्रस्ताव राजस्थान की वर्तमान अर्थव्यवस्था के 33 फीसदी से भी अधिक है। राइजिंग राजस्थान इंवेस्टमेंट समिट 2024 का आयोजन इस साल 9, 10 और 11 दिसंबर को राजधानी जयपुर में होगा और इस त्रि-दिवसीय मेगा समिट का उद्देश्य देश-विदेश की बड़ी-छोटी कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं और निवेशकों को राज्य में आकर काम करने के लिए आकर्षित करना है।

मुख्य सचिव ने ली उच्च-स्तरीय बैठक

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने सरकार के विभिन्न विभागों के प्रमुखों के साथ मंगलवार को शासन सचिवालय में एक उच्च-स्तरीय बैठक में 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की। इस उच्च-स्तरीय बैठक में 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 का सफल और प्रभावशाली आयोजन सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा शुरू की जाने वाली नई और आगामी नीतियों की तैयारी, प्रमुख बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स से जुड़ी बातों और निवेश के अवसरों का आकलन करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट 2024 मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं में से एक है और इसे सफल बनाना सभी विभागों की जिम्मेदारी है। आने वाले दिनों में हम कई नई और निवेशकों के अनुकूल नीतियों को मंजूर करने की तैयारी कर रहे हैं। इसलिए सभी संबंधित विभागीय सचिवों और प्रमुखों से अनुरोध है कि वे उन्हें जल्द से जल्द अंतिम रूप दें।

जरूरी खबर

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले को 20 साल की सजा

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-1 महानगर द्वितीय ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को बीस साल की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर पचास हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने पीड़िता को पीड़ित प्रतिकर स्कीम के तहत क्षतिपूर्ति राशि भी देने को कहा है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक मातादीन शर्मा ने अदालत को बताया कि पीड़िता के पिता ने 14 अक्टूबर, 2022 को बांदीकुई थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि वह परिवार सहित मजदूरी करने जयपुर गया था। यहां एक फैक्ट्री में वह अपनी पत्नी के साथ काम करने लगा। वहीं, पड़ोस में रहने वाले अभियुक्त से उसकी जान पहचान हो गई।

घर के बाहर साइकिल चला रहे बच्चे का किडनैप

जयपुर। घर के बाहर साइकिल चला रहे 12 साल के बच्चे को मंगलवार दोपहर कार सवार चार बदमाश किडनैप कर ले गए। सांगानेर सदर थाना पुलिस बच्चे करे ढूंढने के साथ ही किडनैपर्स की तलाश कर रही है। एसएचओ सांगानेर सदर पूनम चौधरी ने बताया कि सांगानेर सदर में रहने वाले 12 साल के बच्चे का किडनैप हुआ था। उसके पिता रेलवे में कार्यरत है। दोपहर करीब 4 बजे बच्चा घर के बाहर साइकिल चला रहा था। स्विफ्ट कार में आए चार बदमाश घर के बाहर खेल रहे बच्चे को जबरन उठा ले गए। सांगानेर सदर थाना पुलिस ने सूचना पर नाकाबंदी करवाई। पुलिस किडनैप बच्चे को ढूंढने के प्रयास में जुटी है। पुलिस वारदातस्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगालने के साथ ही किडनैर्स की तलाश कर रही है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खबर, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

गोविंददेवजी मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ जन्माष्टमी महोत्सव शुरू

कलाकारों ने भजन और संकीर्तन कर ठाकुरजी को रिझाया

■ कानून व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन और गोविंददेवजी मंदिर समिति की बैठक

बेधड़क | जयपुर

गोविंददेवजी मंदिर में श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं, वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आगाज भी हो चुका है। तैयारियों को लेकर मंगलवार को जयपुर पुलिस प्रशासन और मंदिर समिति की बैठक हुई। बैठक में जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ, मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी समेत पुलिस विभाग के आला अधिकारी, नगर निगम और जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधिकारी शामिल हुए। इसमें जन्माष्टमी के दौरान मंदिर आने वाले भक्तों के लिए कानून और प्रशासन की ओर से व्यवस्थाओं के बारे में चर्चा हुई।

आज सुबह भजन संकीर्तन शाम को नृत्य

मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि 21 अगस्त को सुबह श्री राधा गोविंद प्रभातफेरी मंडल की ओर से भजन संकीर्तन होगा। वहीं, शाम को सात से रात साढ़े आठ बजे तक आलोक भट्ट कृष्ण भजनों की स्वर लहरिया बिखरेंगे। 22 अगस्त को श्री निंबार्क परिषद मंडल की ओर से सुबह-भजन संकीर्तन होगा। शाम को अविनाश शर्मा गायन और नृत्य की जुगलबंदी प्रस्तुत करेंगे।

माखन चोरी लीला की प्रस्तुति

मंदिर महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में श्री गौरांग महाप्रभु मंदिर जयपुर के कलाकारों ने भजन-संकीर्तन कर ठाकुरजी को रिझाया। ठाकुरजी के मनमोहक बंगले के सामने मीनाक्षी लखोटिया के निर्देशन में कलाकारों ने कालिया मर्दन और अधरम् मधुरम् रचनाओं पर नृत्य की प्रस्तुति दी। कविता सक्सेना और माधव सक्सेना के दल ने कृष्ण जन्मोत्सव लीला और माखन चोरी की लीला को गायन और नृत्य के साथ प्रस्तुत किया।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने एसएमएस हॉस्पिटल के बाहर की कार्रवाई

'स्वास्थ्य के मंदिर' के आगे कर रहे थे अनहेल्दी व्यापार

सड़े फलों से बना रहे थे जूस, लुभाने को मिला रहे थे कृत्रिम रंग

बेधड़क | जयपुर

एसएमएस हॉस्पिटल के बाहर जोया फ्रूट एवं जूस सेंटर पर सड़े हुए फलों का रस बनाया जा रहा था। इसके साथ ही फलों के रस में कृत्रिम रंग मिलाकर लाल रंग का उपयोग किया जा रहा था। ऐसे ही अन्य वेंडर्स के द्वारा किया जा रहा था। साथ ही वेंडर्स को जिस काम के लिए लाइसेंस मिले हैं, उनके विपरीत जाकर सिगरेट, गुटखा, तंबाकू आदि बेचा जा रहा था। लोगों के स्वास्थ्य के साथ की जा रही यह खिलवाड़ उस समय सामने आई जब खाद्य सुरक्षा विभाग और नगर निगम ग्रेटर की विजिलेंस टीम ने मंगलवार को अस्पताल के बाहर कार्रवाई की।

फूड लाइसेंस चेक किए

यह कार्रवाई शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत राजस्थान मेडिकल एजुकेशन विभाग, एसएमएस अस्पताल के सुपरीटेंडेंट और खाद्य सुरक्षा विभाग के साथ नगर निगम ग्रेटर जयपुर की विजिलेंस टीम द्वारा संयुक्त रूप से की गई। खाद्य सुरक्षा विभाग के आयुक्त और राज मेडिकल एजुकेशन के कमिश्नर इकबाल खान के निर्देश पर अतिरिक्त आयुक्त खाद्य सुरक्षा पंकज ओझा के नेतृत्व में एसएमएस हॉस्पिटल के बाहर लगे फूड वेंडर्स के फूड लाइसेंस आदि चेक किए गए।

चालान काटे और सामान किया जब्त

कार्रवाई के दौरान नगर निगम ग्रेटर के द्वारा चालान भी किए गए तथा खाद्य सुरक्षा विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के द्वारा लाइसेंस की शर्तों के उल्लंघन पर नोटिस और चालान की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। सड़क पर पड़े बहुत सारे अतिक्रमण वाले सामान को नगर निगम दास के द्वारा जप्त कर लिया गया। साथ ही भविष्य में अतिक्रमण नही करने के लिए पाबंद किया गया। रेजिडेंट डॉक्टर और नर्स के द्वारा यह अंदेशा व्यक्त किया गया था कि बाहर ऐसी जगह पर अनेक क्रिमिनल्स भी इस प्रकार फुटपाथ पर जगह कब्जा करके कार्य कर रहे हैं। उनके अनुशंसा पर अस्पताल और मेडिकल कॉलेज प्रशासन की रिक्वेस्ट पर यह कार्य किया गया।

यूके के एक्सपर्ट ने दी जानकारी

राइनोप्लास्टी से बना सकते हैं नाक को खूबसूरत

बेधड़क | जयपुर

किसी चोट के कारण या जन्मजात ही नाक की बिगड़ी संरचना को राइनोप्लास्टी से ठीक किया जा सकता है। अगर व्यक्ति की नाक टेढ़ी है और उसे सांस लेने में परेशानी हो रही है तो उसके लिए सेप्टोराइनोप्लास्टी तकनीक कारगर है। मालवीय नगर के एक ईएनटी एंड राइनोप्लास्टी सेंटर में आयोजित हुई एस्थेटिक राइनोप्लास्टी वर्कशॉप में यूके से आए डॉ. उल्लास राघवन ने यह जानकारी दी।

डॉ. उल्लास राघवन ने बताया कि सेप्टोराइनोप्लास्टी नाक की दिखावट सुधारने और नाक से सांस लेने के तरीके में सुधार लाने के लिए किया जाने वाला एक ऑपरेशन है। इसमें नाक को आकार और संरचना देने वाली हड्डियों और उपास्थि पर ऑपरेशन करना और आपके सेप्टम को सीधा करना शामिल है।

ऑर्गेनाइजिंग चेयरमैन डॉ. एसबी अग्रवाल ने जानकारी दी कि वर्कशॉप में बाहरी आकृति को खूबसूरत बनाने की लाइव सर्जरी दिखाई गई है। वर्कशॉप में 100 से ज्यादा अलग ईएनटी, प्लास्टिक सर्जरी और मैक्सिलो-फेशियल के युवा सर्जनों ने हिस्सा लिया। वर्कशॉप में डॉ. शुभम अग्रवाल, डॉ. कपिल सोनी, डॉ. नितेश लामोरिया, डॉ. निशांत गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

खासाकोठी, एमआई रोड, संसार चंद्र रोड पर हुई ज्यादा परेशानी

जयपुर में फिर झमाझम, पानी भरने से लगा जाम

एजेंसी | जयपुर

राजधानी में मंगलवार को दोपहर बाद जोरदार बारिश हुई। इसके चलते शाम तक कई इलाकों में कई जगहों पर पानी भर गया। इससे लोगों को भी आवाजाही में परेशानियों का सामना करना पड़ा। कलेक्ट्रेट, बनीपार्क, एमआई रोड, टोंक रोड, जेएलएन मार्ग, सांगानेर, मालवीय नगर और चारदीवारी समेत कई जगहों पर तेज बारिश हुई। कलेक्ट्रेट पर तेज बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। पानी भरने के कारण यहां ट्रैफिक जाम की समस्या हो गई। खासाकोठी, एमआई रोड, संसार चंद्र रोड पर सबसे ज्यादा ट्रैफिक जाम की समस्या रही। ट्रैफिक पुलिसकर्मी यातायात सुचारु करने के लिए मशक्कत करते हुए नजर आए। जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा के मुताबिक मंगलवार को आधा दर्जन से अधिक जिलों में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। बारां, बूंदी, झालावाड़, कोटा, टोंक समेत अन्य जगहों पर बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। चार दिन धूप निकलने के बाद फिर से बारिश का दौर शुरू हुआ। अभी भारी बारिश का अलर्ट नहीं है, लेकिन 24 अगस्त से वापस भारी बारिश की गतिविधियां शुरू होने की संभावना है। कई जिलों में 22- 23 अगस्त से बारिश की गतिविधियां तेज होने की संभावना है।

छात्र-छात्राओं ने CM को बांधा रक्षा सूत्र

जयपुर। *मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने विभिन्न सरकारी स्कूलों के छात्र-छात्राओं के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। मुख्यमंत्री शर्मा ने बच्चों से बातचीत की और उनसे राखी बंधवाई। छात्र-छात्राओं में अभय विद्या मंदिर के बच्चे भी शामिल थे। मुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर छात्र-छात्राओं के साथ-साथ उनके अभिभावक और स्कूल के शिक्षक भी उपस्थित थे।*

भारत बंद के विरोध में प्रदर्शन, बोले...

हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले का समर्थन करते हैं, बंद का करेंगे बहिष्कार

बेधड़क | जयपुर

आरक्षण से वंचित SC/ST समाज संघर्ष समिति, राजस्थान की ओर से मंगलवार को जयपुर कलेक्ट्रेट पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के आरक्षण में उप वर्गीकरण के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के समर्थन में प्रदर्शन किया और बुधवार के भारत बंद का विरोध किया गया। इस दौरान संघर्ष समिति के सदस्यों ने कलेक्ट्रेट पर नारेबाजी भी की। आरक्षण से वंचित एससी/एसटी समाज संघर्ष समिति राजस्थान के प्रदेश संयोजक राकेश बिड़ावत के नेतृत्व में लोग जयपुर जिला कलेक्ट्रेट पर एकत्र हुए। यहां लोगों ने संविधान निर्माता भीमराव अम्बेडकर को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया और सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू करने के समर्थन में नारेबाजी की।

केवल 5 से 7 जातियां ही कर रही बंद: बिड़ावत

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इन जातियों को आरक्षण का लाभ मिल सकेगा। यह सभी जातियां बंद के विरोध में नहीं हैं। केवल 5 से 7 जातियां ही भारत बंद कर रही हैं। हमने सरकार से अपील की है कि 21 अगस्त को सभी व्यापारिक प्रतिष्ठानों को खोला जाए, हम लोग भारत बंद के समर्थन में नहीं हैं। एडवोकेट रामधन ने कहा कि जब से संविधान लागू हुआ है, तब से 55 से अधिक जातियां आरक्षण से पूरी तरह से वंचित हैं और अंतिम पायदान पर खड़ी हैं। उन्हें किसी भी तरह से आरक्षण का लाभ नहीं मिल रहा। रामधन ने कहा कि हम सुप्रीम कोर्ट के फैसले का समर्थन करते हैं और उसका स्वागत करते हैं। बुधवार को होने वाले भारत बंद का हम लोग बहिष्कार करेंगे।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला लागू करे सरकार

राकेश बिड़ावत ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने 1 अगस्त को एससी/एसटी आरक्षण में उप वर्गीकरण का फैसला दिया था। हमारी मांग है कि राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसले का लागू करे, ताकि आरक्षण से वंचित लोगों को इसका लाभ मिल सके। इस संबंध में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री के नाम अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रथम सुरेश कुमार नवल को ज्ञापन भी दिया गया। उन्होंने कहा कि संघर्ष समिति में आरक्षण से वंचित समाज के लोग शामिल हैं और इन जातियों को आजादी के 75 साल बाद भी आरक्षण का लाभ नहीं मिला है।

जरूरी खबर

डॉ. बीएस जोधा बने मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य

जोधपुर। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग के वरिष्ठ आचार्य डॉ. बीएस जोधा को डॉ. एसएन मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक पद पर मनोनीत किया गया है। चिकित्सा शिक्षा (ग्रुप-1) विभाग के संयुक्त शासन सचिव जगजीत सिंह मोंगा ने यह आदेश जारी किए। आदेश जारी होने के बाद डॉ. बीएस जोधा ने कार्यभार संभाल लिया। इससे पहले डॉ. अरुण वैश्य कार्यवाहक प्रधानाचार्य का कार्यभार संभाल रहे थे। कार्यभार ग्रहण करने पर डॉ. बीएस जोधा का अन्य चिकित्सकों, कर्मचारियों, नर्सिंग नेताओं आदि ने स्वागत किया। इसके डॉ. बीएस जोधा ने चिकित्सकों की बैठक भी ली।

रामदेवरा के लिए तीन मेला स्पेशल ट्रेन

जोधपुर। जातरू के रामदेवरा मेले में आवागमन की सुविधा के लिए तीन जोड़ी मेला स्पेशल ट्रेनों का संचालन होगा। जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा ने बताया कि रेलवे भगत की कोठी से दो और जोधपुर रेलवे स्टेशन से एक जोड़ी ट्रेन चरणबद्ध चलाई जाएगी। जोधपुर से रामदेवरा के रास्ते पोकरण के लिए मेला स्पेशल ट्रेन पहले से ही चल रही है। गाड़ी संख्या 04863/64 भगत की कोठी-रामदेवरा मेला स्पेशल 21 अगस्त से 20 सितंबर तक प्रतिदिन भगत की कोठी से रात 12.55 बजे रवाना होकर सुबह 5 बजे रामदेवरा पहुंचेगी।

मुआवजे की मांग को लेकर किसानों का विरोध प्रदर्शन

जोधपुर। ग्राम पंचायत भटिंडा के किसानों ने फसल बीमा के मुआवजे की मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया गया। ग्राम पंचायत भटिंडा के किसानों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर फसल बीमा के मुआवजे की मांग की। किसानों ने बताया कि पहले भी जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर फसल बीमा के मुआवजे की मांग की थी, लेकिन अभी तक उनका कोई मुआवजा नहीं मिला है। इस साल भी बारिश के कारण फसल में खराबा हुआ है जिस कारण उनको मुआवजा दिया जाए। उनकी दो साल से फसल खराब हो रही है जिससे उन पर दोहरी मार पड़ी है। उन्होंने कलेक्ट्रेट के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

मासूम से हैवानियत: घटना के विरोध में रैली निकालकर किया प्रदर्शन

रेप पीड़िता को देखने अस्पताल पहुंचे हाई कोर्ट के जज

बेधड़क | जोधपुर

उम्मेद अस्पताल में दुष्कर्म पीड़िता मासूम के इलाज की जानकारी लेने के लिए मंगलवार को हाईकोर्ट के जज मनोज गर्ग खुद अस्पताल पहुंचे। उन्होंने अस्पताल अधीक्षक डॉ. अफजल हकीम के साथ पीड़िता का हाल चाल जाना और परिजनों से बात की। जज ने पीड़िता के इलाज से संतुष्टि जताई है। साथ ही आगे के उपचार के लिए निर्देश दिए। मौके पर ही सामाजिक कार्यकर्ता की ओर से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहयाता दिलवाई गई।

राजस्थान उच्च न्यायालय किशोर न्याय समिति के वरिष्ठ सलाहकार राकेश कुमार चौधरी ने बताया कि बाल कल्याण समिति के आदेश पर जिला बाल संरक्षण इकाई ने पीड़ित बालिका के परिजनों को अंतरिम राहत राशि स्वीकृत की है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पीड़िता को सबसे पहले देखने वाली महिला के न्यायालय में मंगलवार को बयान करवाए गए हैं।

आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा

आरोपी हरीश दास सिंधी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि शनिवार रात जब वह पीड़िता को मंदिर के सामने से उठाने गया तो उसने अपने सिर पर हेलमेट लगा रखा था, जिससे कि उसे कोई पहचान ना सके। उसने हेलमेट बाद में हटा दिया था। आरोपी ने मासूम के साथ दो बार दुष्कर्म किया।

दुष्कर्मी को दी जाए फांसी

तीन साल की मासूम के साथ दुष्कर्म के आरोपी को फांसी देने की मांग तेज होती जा रही है। मंगलवार को विभिन्न संगठनों ने कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन कर दुष्कर्म के आरोपी को फांसी देने, उसके घर पर बुलडोजर चलाने व फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाया जाने की मांग की। शहर के दर्जनभर से अधिक महिला संगठनों द्वारा जिला कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन कर आक्रोश जताया गया। साथ ही राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंप कर दुष्कर्म के आरोपी को खुलेआम फांसी देने की मांग की गई। कार्यक्रम संयोजक नमिता प्रजापत व संगीता शर्मा ने बताया कि यह अपनायत का शहर बेटियों के लिए हमेशा सुरक्षित रहा है। इस घटना से शहर की अपनायत पर धब्बा लगा है। इसलिए सरकार, राष्ट्रपति व राज्यपाल से दुष्कर्म पर कड़े कानून बनाने की मांग भी गई। साथ ही एक माह में आरोपी को फांसी, पीड़ित को आर्थिक सहायता व हर थाने में महिला सुरक्षा सेल बनाने की भी मांग की गई।

उदयपुर में चप्पे-चप्पे पर तैनात रही पुलिस

भारी सुरक्षा के बीच हुआ छात्र का अंतिम संस्कार

बेधड़क | उदयपुर

चाकूबाजी की घटना में गंभीर रूप से घायल छात्र आखिर जिंदगी की जंग हार गया। उसने रक्षाबंधन के दिन शाम को उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। उसकी मौत ने उदयपुर ही नहीं पूरे प्रदेश को भी स्तब्ध कर दिया। इस दौरान परिजनों में कोहराम मच गया। इधर, पूरी रात समझाइश के बाद परिजन शव लेने के तैयार हुए। इस दौरान मंगलवार सुबह सवा 5 बजे देवराज का शव सौंपा गया, जहां उसे कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के साथ घर पर लाया गया। इसके पुलिस और प्रशासन के अधिकारी की मौजूदगी शव की अंतिम यात्रा निकली।

इस बीच शहर में चप्पे चप्पे पर पुलिस तैनात रही। उदयपुर शहर में माहौल न बिगड़े इसलिए अंतिम यात्रा को पुलिस के भारी सुरक्षा के बीच निकाला गया। छात्र की अंतिम यात्रा के लिए पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में मानव श्रृंखला ली थी। ऐसे में अंतिम यात्रा जिस-जिस रास्ते से गुजरी उन रास्तों को पुलिस ने बंद किए। इस बीच यात्रा में अधिक भीड़ को रोकने की पुलिस ने कोशिश की, इसके बावजूद बड़ी तादाद में लोग अंतिम यात्रा में शामिल हुए। छात्र के अंतिम संस्कार में लोगों ने अमर रहे अमर रहे के नारे लगाए। प्रशासन और पुलिस के माकूल बंदोबस्त के चलते पूरे शहर में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना नहीं हुई। मृत छात्र का कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच गमगीन माहौल में अंतिम संस्कार किया गया। इसी दौरान समाज के नेताओं ने सभी से शांति की अपील की है।

आरोपी बख्शा नहीं जाएगा: गृह राज्य मंत्री

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संज्ञान लेकर उसका बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए थे। इसके लिए जयपुर से भी एक्सपर्ट की टीम गई थी, लेकिन हम बच्चे को नहीं बचा पाए। व्यवस्था की दृष्टि से स्थानीय प्रशासन और पुलिस पूरी तरीके से अलर्ट है। एक नाबालिग को डिटेन किया गया है। किसी भी तरह से आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। लोग इस तरह के माहौल में संयम बनाए रखें। सरकार भी पूरी तरह से गंभीर है।

दोषी को जल्द मिले गुनाहों की सजा

मृतक के पिता ने बेटे को मुखाग्नि देने के बाद कहा कि आरोपी को उसके गुनाहों की सजा मिलनी चाहिए। आरोपी का कोई भी वकील केस नहीं लड़े और जल्द से जल्द बेटे को न्याय मिले। पुलिस-प्रशासन से यही अपील है। मोची समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंती लाल मोची ने कहा कि यह बहुत ही जघन्य अपराध है। प्री प्लानिंग तरीके से इस तरह से चाकू मारने की घटना को अंजाम दिया गया है। दहशत फैलाने के लिए इस घटना को अंजाम दिया गया। 10वीं क्लास के छात्र के पास धारदार हथियार होना बहुत बड़ी बात है। सरकार को भी इस पर ध्यान देना चाहिए। ऐसे कानून बने जिससे नाबालिग भी सजा से नहीं बच सके। समाज के लोगों ने कहा कि इस घटना को लेकर पूरे उदयपुर में आक्रोश है। सरकार को और पुलिस को आरोपी के खिलाफ कड़ा एक्शन लेना चाहिए। आरोपी ने जिस उम्र में चाकू चलाना सीख लिया, वह नाबालिग नहीं हो सकता। उसे नाबालिग होने से सजा में छूट नहीं देनी चाहिए। उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए।

एक-दूसरे को बचाने के प्रयास में दोनों डूबी

दो सगी बहनों की डूबने से मौत

बेधड़क | अलवर

जिले के बड़ौदामेव पुलिस थाना क्षेत्र के घाट का बास व शीतल के बीच स्थित छतरी के पास सब्जी तोड़ने के लिए रूपारेल नदी पार कर रही दो सगी बहनों की डूबने से मौत हो गईं।

बड़ौदा मेव थाना एएसआई हरिमन ने बताया कि थाना क्षेत्र के घाट का बास गांव निवासी दो सगी बहने धौली (11) और संजना (10) पुत्री स्व. प्यारेलाल बैरवा सब्जी के लिए जंगली करेले तोड़ने के लिए घर से गई थी। जंगली करेले तोड़ने के लिए दोनों बहनें रूपारेल नदी को पार कर रही थी। नदी पार करने के दौरान एक बहन का पैर फिसल गया, जिससे वह नदी में गिर गई और डूबने लगी तो दूसरी बहन ने उसे बचाने का प्रयास किया।

इस बीच दोनों बहनें पानी में डूब गईं। सूचना पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और दोनों बहिनों को बाहर निकाला, लेकिन तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।

सिरोही जिले में दो अलग-अलग हादसे

दो युवक डूबे, एक की मौत दूसरे की तलाश जारी

सिरोही। जिले में मंगलवार को दो युवकों की पानी में डूबने की घटनाएं सामने आई हैं। एक हादसे में डूबे युवक के शव को बाहर निकाल लिया गया है, जबकि दूसरे युवक की तलाश की जा रही है। हेड कांस्टेबल राजाराम ने बताया कि मृतक राहुल राणा माउंट आबू का रहने वाला है।

वह माउंट आबू की नक्की झील के किनारे अपने दोस्त के साथ गया था और अचानक मगरमच्छ गार्डन की पाल से झील में कूद गया। इससे युवक की डूबने से मौत हो गई। सूचना पर माउंट आबू पुलिस ड्यूटी प्रभारी राजाराम मौके पर पहुंचे। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद युवक का शव गोताखोरों की मदद से झील से बाहर निकाला गया। दूसरी घटना आबूरोड सदर थाना क्षेत्र की तलहटी में घटी। यहां नहाने आया युवक डूब गया। सदर थानाधिकारी ने बताया कि सूचना मिली कि तलहटी के मुखरी माता मंदिर के पास बने एनिकट में एक युवक डूब गया है। इस पर गोताखोरों और एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। मुदरला निवासी 28 वर्षीय नगाराम पुत्र पदमाराम मंगलवार दोपहर को नहाने के लिए एनिकट में गया था। वह पानी में डूब गया।

रक्षाबंधन पर राखी बंधवाने जा रहे थे, तभी हुआ हाईवे पर हादसा

बाइक सवार पिता-पुत्री को ट्रोले ने कुचला

बेधड़क | अलवर

अलवर में रक्षाबंधन के दिन ट्रोले ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रोला चालक दोनों पिता और बेटी को रौंदते हुए करीब 100 मीटर तक सड़क पर घसीटता रहा। हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्री की मौत हो गई। पुलिस ने ट्रोले को जब्त कर आरोपी ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। यह हादसा तिजारा थाना क्षेत्र के भिंडूसी मेगा हाईवे पर हुआ। पुलिस के अनुसार, सीकर जिले के नीमकाथाना तहसील के गांव पाटन कूडी निवासी रोहताश (31) अपनी बेटी शिवानी यादव (12) को बाइक पर बैठाकर रिश्तेदारी में राखी बंधवाने ले तिजारा के नजदीकी गांव नौरंगाबाद जा रहा था। इसी दौरान भिंडूसी गांव के पास मेगा हाईवे पर पीछे से आ रहे एक ट्रोले ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद ट्रोला दोनों को कुचल दिया। इससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर ट्रोले को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया।

करंट से युवक की मौत

हनुमानगढ़। जिले के रावतसर थाना क्षेत्र में मंगलवार को गांव पोहड़का में बिजली की नई लाइन बिछाई जाने के दौरान करंट लगने से लाइन बिछा रहे एक युवक की करंट लगने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि गुरुसेवक सिंह (35) ने ठेकेदार अमरचंद और लाइनमैन भजनलाल के विरुद्ध मामला दर्ज कराया है।

बाघों के लिए छोटा पड़ने लगा सरिस्का

सरिस्का की दहलीज लांघकर हरियाणा के जंगलों में पहुंचा टाइगर ST-2303

बेधड़क | अलवर

सरिस्का टाइगर रिजर्व युवा बाघों के लिए देश भर में मशहूर रहा है। वर्तमान मे यहां 18 शावक हैं और इनमें से ज्यादातर अब युवा अवस्था में पहुंच गए हैं। सरिस्का के अलवर बफर रेंज का बाघ एसटी-2303 भी करीब तीन साल का हो चुका है और यही उम्र है, जब बाघ अपनी नई टेरिटरी बनाता है। यही कारण है बाघ एसटी 2303 इन दिनों सरिस्का की दहलीज लांघ कर हरियाणा के जंगलों में पहुंच गया है। इससे पूर्व भी कई बाघ टेरिटरी की तलाश में सरिस्का के बाहर जा चुके हैं।

सरिस्का की अलवर बफर रेंज में इन दिनों 7 बाघ हैं और इनमें पांच शावक हैं। इनमें बाघ एसटी-2303 भी शामिल है। यह बाघ अब अपनी बाघिन मां से अलग होकर नई टेरिटरी तलाश रहा है।

अलवर बफर रेंज में चार बाघ युवा और तीन शावक भी एक साल से ज्यादा उम्र के हो चुके हैं, यानी सात बाघों के लिए अलवर बफर रेंज का जंगल छोटा पड़ने लगा है। यही कारण है कि बाघ बार-बार अलवर बफर रेंज से बाहर निकल रहा है।

बाघ को ढूंढ नहीं पाए वनकर्मी

करीब सात महीने पहले भी यह बाघ सरिस्का से बाहर निकल खैरथल, किशनगढ़बास, तिजारा, टपूकड़ा, भिवाड़ी होते हुए हरियाणा के रेवाड़ी के जंगल तक पहुंच गया था। उस दौरान भी वनकर्मियों ने बाघ को टैंक्युलाइज करने का खूब प्रयास किया। खेतों में जेसीबी पर बैठकर वनकर्मियों ने बाघ की तलाश की, लेकिन वे सफल नहीं हुए और बाघ वापस उसी रास्ते से सरिस्का पहुंच गया, लेकिन सरिस्का में बाघ एसटी-2303 को टेरिटरी नहीं मिल पाई और वह पांच दिन पहले तिजारा, मुंडावर होते हुए फिर हरियाणा के रेवाड़ी जिले में पहुंच वनकर्मियों की परेशानी बढ़ा रहा है।

अब की बार दूसरे रास्ते से गया बाघ

सरिस्का की अलवर बफर रेंज के रेंजर शंकरसिंह शेखावत ने बताया कि बाघ एसटी -2303 सात महीनों में दूसरी बार हरियाणा के रेवाड़ी जिले के जंगल में पहुंचा है। बाघ के पगमार्क हरियाणा में साबी नदी के पास मिले हैं। बाघ की तलाश में सरिस्का के करीब 25 वनकर्मियों की टीम जुटी है। इस बार यह बाघ दूसरे रास्ते से गया है। वन्यजीव चिकित्सक जयपुर डॉ. अरविंद माथुर ने बताया कि बाघ तेज गति से चल रहा है और रात में चलता है। दिन में यह बाघ जंगल व खेतों में छिपा रहता है। एनटीसीए की गाइडलाइन के अनुसार बाघ जब आरामदायक स्थिति में होगा, तब उसे टैंक्युलाइज किया जाएगा।

तीन शावकों के साथ नजर आई सुल्ताना

सवाई माधोपुर। रणथंभौर स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर मंगलवार को बाघिन सुल्ताना और उसके तीन शावकों की साइटिंग हुई। त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर बाघिन व उसके शावकों का मूवमेंट काफी देर तक बना रहा, जिस कारण मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं की राह रोक दी।

बाघिन व उसके शावक सड़क पर ही काफी देर तक अठखेलियां करते रहे, जिससे वहां से गुजर रहे राहगीरों ने इस नजारे को अपने कैमरे में कैद कर लिया। वन विभाग के अनुसार इस दौरान एहतियात के तौर पर गणेश धाम स्थित त्रिनेत्र गणेश मार्ग के प्रवेश द्वार को बंद कर दिया, जिससे वाहनों सहित श्रद्धालुओं की आवाजाही रोकी जा सके। वहीं, बाघिन व शावकों की मॉनिटरिंग के लिए वनकर्मियों की टीम जुट गई।

करीब एक घंटे तक बाघिन व उसके शावक त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर चहलकदमी कर रणथंभौर के जंगल में चले गएं। बाघिन व शावकों के फिर से जंगल का रुख करने के बाद वन विभाग के कार्मिकों ने राहत की सांस ली और एक बार फिर से त्रिनेत्र गणेश जाने वाले श्रद्धालुओं के प्रवेश द्वार खोल दिए गए।

दसवीं पास कैंडिडेट कर सकते हैं रजिस्ट्रेशन, ऑफलाइन करना होगा आवेदन

वायु अग्निवीर बनने का मौका, 29 अगस्त तक भर सकते हैं फार्म

बेधड़क | जयपुर

भारतीय वायु सेना ने एयरफोर्स में अग्निपथ स्कीम के तहत अग्निवीरों की भर्ती निकली है। इस भर्ती के लिए ऑनलाइन नहीं ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन किए जा सकेंगे। रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू की गई है।

अग्निवीर वायु के लिए इच्छुक उम्मीदवार 29 अगस्त तक अधिकारिक वेबसाइट agnipath vayu.cdac.in पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। इस भर्ती में अधिकतम और कम से कम उम्र दो जनवरी 2004 से दो जुलाई 2007 के बीच जन्मे अविवाहित पुरुष उम्मीदवार भाग ले सकेंगे। जो उम्मीदवार आवेदन करना चाहते हैं, वो ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर Application Forms, under Agniveervayu Non-Combatants में जाएं। इसके बाद आप फॉर्म डाउनलोड कर आवेदन कर सकते हैं। इस फॉर्मेट में जो एप्लीकेशन नहीं होंगी, वो स्वीकार नहीं की जाएंगी। आवेदन की लास्ट डेट के बाद भी आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इस भर्ती के लिए 10वीं पास आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक पुरुष उम्मीदवार भर्ती से संबंधित सभी नियमों की जानकारी भारतीय वायुसेना की वेबसाइट से ले सकते हैं।

कैसे किया जाएगा चयन

इस भर्ती में आवेदन के लिए कैंडिडेट को कई चरणों से गुजरना होगा। इसके लिए सबसे पहले लिखित परीक्षा आयोजित होगी। उसके बाद फिजिकल टेस्ट का आयोजन होगा, इसके बाद शार्टलिस्ट उम्मीदवारों को स्ट्रीम स्टेबिलिटी टेस्ट और फिर डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के बाद मेडिकल एग्जामिनेशन होता है।

हर महीने 30,000 रुपए मिलेगी सैलरी

जिन उम्मीदवारों का चयन होगा, उन्हें पहले साल हर महीने 30,000 रुपए सैलरी मिलेगी। इसमें 9,000 रुपए Corpus Fund के तौर पर कटेगा। ऐसे में पहले साल इन हाथ में आने वाली सैलरी 21,000 रुपए होगी। दूसरे साल में 33,000/सैलरी होगी, हाथ में आएगी 23,100 रुपए और 9,900 Corpus Fund कटेगा। इसी तरह तीसरे साल 36,500 रुपए सैलरी होगी, हाथ में आएगी 25,550/ रुपए और 10,950 रुपए Corpus Fund कटेगा। चौथे साल में 40,000 सैलरी मिलेगी , हाथ में आएगी 28,000 रुपए और 12,000 रुपए Corpus Fund कटेगा।

Yuva स्टोरीज

इंडिया पोस्ट ने ग्रामीण डाक सेवक परीक्षा का रिजल्ट किया जारी

बेधड़क | जयपुर

इंडिया पोस्ट ने ग्रामीण डाक सेवक (GDS) परीक्षा 2024 का रिजल्ट जारी कर दिया है। इंडिया पोस्ट ने अभी आंध्र प्रदेश, असम, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, ओडिशा, पंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल सर्कल का ही रिजल्ट जारी किया है। बाकी सर्कल का रिजल्ट जल्द ही जारी किया जाएगा। रिजल्ट चेक करने के लिए उम्मीदवारों को ऑफिशियल वेबसाइट indiapostgdsonline.gov.in पर जाना होगा। इसके अलावा मेरिट लिस्ट चेक करने के लिए उम्मीदवार दूसरी वेबसाइट indiapost-gdsonline.cept.gov.in पर भी जा सकते हैं। इसके बाद अपना सर्कल सिलेक्ट करना होगा। इसके साथ ही अब आपकी स्क्रीन पर मेरिट लिस्ट ओपन हो जाएगी।

मेरिट लिस्ट आने के बाद उम्मीदवारों का वेरिफिकेशन होगा, जिसमें उम्मीदवारों के डॉक्यूमेंट्स चेक किए जाएंगे। आपको बता दें कि इस भर्ती के लिए कोई एग्जाम नहीं हुआ था, सिर्फ आवेदन किए गए थे। अब आवेदन के बाद 10वीं के मार्क्स को देखकर मेरिट लिस्ट बनी है और उम्मीदवारों को शार्टलिस्ट किया गया है।

सुपरन्यूमरेरी राउंड सीट अलॉटमेंट परिणाम जारी

जयपुर। सेंट्रल सीट एलोकेशन बोर्ड (CSAB) ने 20 अगस्त को सीएसएबी 2024 सुपरन्यूमरेरी राउंड सीट अलॉटमेंट परिणाम जारी कर दिया। सुपरन्यूमेरी राउंड के लिए पंजीकरण करने वाले उम्मीदवार सीएसएबी की आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर सीट अलॉटमेंट परिणाम देख सकते हैं। जिन अभ्यर्थियों को सीट आवंटित की गई है, वे दस्तावेज अपलोड और सुपरन्यूमरेरी सीट स्वीकृति शुल्क का भुगतान 20 से 22 अगस्त तक किया जा सकता है। वहीं प्रश्नों का उत्तर देने की अंतिम तिथि 23 अगस्त है। सीट हासिल करने वाले उम्मीदवारों के लिए 24 अगस्त से 27 अगस्त तक फिजिकल रिपोर्टिंग की जाएगी। सीएसएबी 2024 सुपरन्यूमरेरी राउंड में सीट पक्की करने वाले उम्मीदवारों द्वारा आवंटित संस्थानों में फिजिकल रिपोर्टिंग के दौरान दिव्यांगों का फिजिकल सत्यापन अनिवार्य है। सीट आवंटन जेईई मुख्य- 2024 रैंक पर आधारित है जो कि केंद्र शासित प्रदेशों के पात्र उम्मीदवारों के लिए एनआईटी कालीकट, एनआईटी दुर्गापुर, एसवीएन आईटी सूरत में सुपरन्यूमरेरी सीटोंपर प्रवेश के लिए है।

अक्षय ऊर्जा पर बनाए पोस्टर और लिखे स्लोगन

बेधड़क | जयपुर

रामबाग स्थित सुबोध महिला महाविद्यालय में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की जयंती पर 'अक्षय ऊर्जा दिवस' विभिन्न प्रतियोगिताओं के माध्यम से मनाया गया। इस अवसर पर लगभग 60 छात्राओं ने संबंधित विषय पर पोस्टर निर्माण एवं स्लोगन द्वारा प्रतियोगी रूप में अपने विचार रखे। प्राचार्या डॉ. रेणु जोशी प्रतियोगिताओं के विजेताओं की घोषणा की तथा उपलब्ध संसाधनों के साथ वैज्ञानिक शोध पर भी बल दिया। महाविद्यालय के संयोजक वीसी डागा ने छात्राओं को पुरस्कृत किया और बताया कि इसी क्षेत्र में महाविद्यालय को राज्यस्तरीय प्रथम पुरस्कार का गौरव प्राप्त है और आगे भी इस दिशा में प्रयासरत होने की आवश्यकता है। आयोजन के संयोजक मंडल में डॉ. रुचि साबू, तारा चंद बाड़ीवाल ने सफल कार्यक्रम हेतु सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अवसर: खुद फाइनेंशियली स्टेबल होने के साथ ही युवा अपनी फैमिली को भी कर पाएंगे सपोर्ट

पढ़ाई करते हुए भी ये जॉब करके कमा सकते हैं पैसा

बेधड़क | जयपुर

अगर आप स्टूडेंट हैं और अपनी पढ़ाई के साथ कोई ऐसा काम करना चाहते हैं, जिससे आपकी पढ़ाई भी चलती रहे और कमाई भी होती रहे तो यह खबर आपके लिए ही है। यहां ऐसे जॉब्स के बारे में बताएंगे जिससे आप पढ़ाई के दौरान काम करते हुए फाइनेंशियली स्टेबल तो होंगे ही साथ ही अपनी फैमिली को सपोर्ट भी कर पाएंगे। इनके लिए आपको एक्स्ट्रा कुछ करने की जरूरत नहीं है बस जो आप में स्किल है बस उसके अनुसार इनमें से काम सलेक्ट करना है और उसे करना शुरू कर देना है। एक काम इनमें सबसे जरूरी है और वह है डेडिकेशन। बस इसके साथ काम करेंगे तो आपको सफल होने से कोई नहीं रोक सकता।

फ्रीलांस राइटिंग

आजकल के डिजिटल युग में रोजगार के नए अवसर खुलकर सामने आए हैं। ऑनलाइन दौर में फ्रीलांस वर्किंग का चलन भी काफी पॉपुलर हुआ है। अगर आपको भाषा का अच्छा ज्ञान है और आप हिन्दी, अंग्रेजी में टाइपिंग भी जानते हैं तो आप फ्रीलांस राइटिंग का काम आसानी से घर बैठे कर सकते हैं। इसके लिए आपको पढ़ाई छोड़ने की भी जरूरत नहीं होगी। पार्ट टाइम जॉब ढूंढ़ रहे छात्रों के लिए यह अच्छा काम हो सकता है।

ऑनलाइन स्टोर

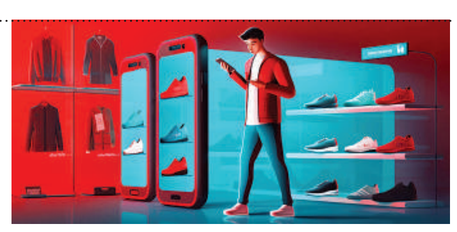

अगर आप शहरी इलाके में रहते हैं तो आपके लिए रोजगार की कमी नहीं है। आप आसानी से घर बैठे खुद का पार्ट टाइम रोजगार भी शुरू कर सकते हैं। ऑनलाइन ग्रॉसरी स्टोर या अन्य स्टोर शुरू करके वॉट्सएप पर ऑनलाइन ऑर्डर और पेमेंट के बाद दिन में एक निर्धारित समय में सामान की डिलीवरी कर पैसे कमा सकते हैं। यह काम खुद के स्टोर या किसी दूसरे स्टोर से टाइअप कर ऑनलाइन बुकिंग ले सकते हैं।

डिलीवरी एजेंट

अपनी पढ़ाई करने के बाद बचे हुए समय में आप किसी भी कंपनी में डिलीवरी एजेंट का काम करके पैसे कमा सकते हैं। यह काम पढ़ाई के साथ पार्ट टाइम किया जा सकता है।

कस्टमर सपोर्ट सर्विस

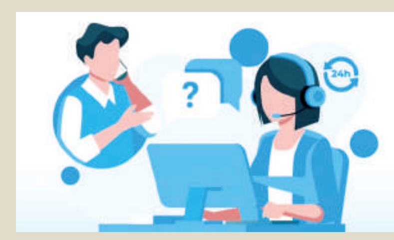

बहुत की कंपनियां इंटर पास या स्नातक पास फ्रेशर को कस्टुमर सपोर्ट कर्मचारी के रूप में रखते हैं। वहीं कुछ संस्थान यह कार्य आपको पार्ट टाइम और रिमोट एरिया यानी घर से करने की सुविधा भी देते हैं। ऐसे में आप ऐसी कंपनियों या संस्थानों के बारे में पता कर जॉब शुरू कर सकते हैं।

ऑनलाइन ट्यूशन

अगर आप मैथ्स या इंग्लिश या किसी अन्य सब्जेक्ट में अच्छे हैं, तो आप अपने इस ज्ञान की मदद से पैसे कमा सकते हैं। अपने स्मार्टफोन व इंटरनेट की सहायता ऑनलाइन ट्यूशन देकर आप पैसे कमा सकते हैं। मार्केट में कई प्लेटफार्म हैं, जो ऑनलाइन ट्यूटर्स को काम देते हैं। इसके अलावा, आप अपना यूट्यूब चैनल खोलकर भी पढ़ा सकते हैं।

सोशल मीडिया मैनेजर

आज हर कोई सोशल मीडिया से जुड़ता जा रहा है, इसलिए हर कंपनी, संस्थान को यहां अपनी मौजूदगी दर्ज कराना जरूरी हो गया है। ऐसे में ट्विटर, फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सएप की अच्छी जानकारी हासिल करके भी आप पैसे कमा सकते हैं। आप किसी व्यक्ति या संस्था के लिए पार्ट टाइम सोशल मीडिया मैनेजर का कार्य कर सकते हैं।

NDDB चैयरमेन शाह ने दिया आश्वासन

RCDF को तकनीकी सहायता देगा राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड

बेधड़क | जयपुर

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड राजस्थान में विभिन्न परियोजनाओं के संचालन में सहयोग के लिए आरसीडीएफ को तकनीकी सहायता देगा, ताकि समय पर परियोजनाओं को पूरा किया जा सके। आरसीडीएफ के कमजोर दुग्ध संघों को तकनीकी सहायता के साथ-साथ उनके द्वारा उत्पादित दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के विपणन में भी एनडीडीबी द्वारा आवश्यक सहयोग एवं सहायता दी जाएगी।

प्रोडक्ट पैकेजिंग और एडवरटाइजिंग के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों पर भी जिला दुग्ध संघों को आवश्यक सहयोग मिलेगा। यह आश्वासन मंगलवार को राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के दिल्ली स्थित कार्यालय में आरसीडीएफ की प्रशासक और प्रबन्ध संचालक डॉ. सुषमा अरोड़ा से मुलाकात के दौरान एनडीडीबी के चैयरमेन डॉ. मीनेश शाह ने दिया। मुलाकात के दौरान राजस्थान के डेयरी विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर चर्चा के साथ-साथ एनडीडीबी और आरसीडीएफ द्वारा राजस्थान में संचालित परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। डॉ. मीनेश शाह ने डॉ. अरोड़ा के नेतृत्व में आरसीडीएफ द्वारा अर्जित की गई उपलब्धियों की सराहना की।

उन्होंने राजस्थान के बजट में राज्य सरकार द्वारा डेयरी क्षेत्र में आधारभूत ढ़ांचे को मजबूत करने के लिए 220 करोड़ रुपए की घोषणा को अभूतपूर्व बताया और कहा कि यह प्रोजेक्ट राजस्थान के डेयरी विकास में मील का पत्थर साबित होंगे। मुलाकात के दौरान यह भी निर्णय लिया गया कि जिन ग्राम पंचायतों में अभी डेयरी की पहुंच नहीं है, वहा दुग्ध संकलन को बढ़ावा देने के लिये भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरुप युद्व स्तर पर काम शुरु किया जाएगा।

UP कांस्टेबल परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जारी

जयपुर। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने यूपी पुलिस कांस्टेबल परीक्षा 2024 के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। एडमिट कार्ड ऑफिशियल वेबसाइट uppbpb.gov.in पर जाकर डाउनलोड किया जा सकता है। एडमिट कार्ड डाउनलोड करने के लिए उम्मीदवारों को अपना रजिस्ट्रेशन नंबर और जन्म तारीख डालनी होगी। यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा को दो शिफ्ट में आयोजित की जाएगी। पहली शिफ्ट का समय सुबह 10 बजे से 12 बजे तक होगा और दूसरी शिफ्ट का समय दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक होगा। यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा 67 जिलों के 1174 केंद्रों पर होगी। यूपी पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा 23, 24, 25, 30 व 31 अगस्त को होगी।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा के लिए सेंटर तक जाने के लिए इस बार रोडवेज बस सेवा फ्री होगी।

JOB OFFER इच्छुक उम्मीदवार 31 अगस्त तक भर सकेंगे आवेदन

नैनीताल बैंक में PO, IT ऑफिसर की निकली भर्ती

बेधड़क | जयपुर

नैनीताल बैंक की तरफ से प्रोबेशनरी ऑफिसर सहित कई पदों पर भर्ती निकाली गई है। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, इस भर्ती अभियान के तहत प्रोबेशनरी ऑफिसर, आईटी ऑफिसर और चार्टर्ड अकाउंटेंट के पदों को भरा जाएगा। आवेदन प्रक्रिया चालू है।

इच्छुक उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट nainitalbank.co.in. पर जाकर इन पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार कुल 25 खाली पदों पर भर्तियां होंगी।

आवेदन करने के लिए कैंडिडेट्स को 31 अगस्त 2024 तक का समय दिया गया है। इस वैकेंसी के लिए परीक्षा सितंबर के दूसरे सप्ताह में होगी। योग्यता और आयु सीमा की बात करें तो नैनीताल बैंक पीओ पद पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवार के पास किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए। इसके लिए 21 साल से ज्यादा और 32 साल से कम उम्र वाले आवेदन कर सकते हैं। आईटी ऑफिसर के 2 पदों पर भर्तियां होगी। इस पद के लिए कंप्यूटर साइंस में ग्रेजुएशन करने वाले आवेदन के पात्र हैं।

1500 रु. लगेगी एप्लीकेशन फीस

आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को 1500 रुपए की एप्लीकेशन फीस भरनी होगी। उम्मीदवारों का चयन लिखित परीक्षा और इंटरव्यू राउंड के आधार पर किया जाएगा। उम्मीदवारों के लिए भर्ती परीक्षा अभी तक जारी नहीं की गई है, लेकिन परीक्षा होने की संभावना सितंबर, 2024 में हैं।

विभिन्न पदो पर आवेदन के लिए ये होनी चाहिए योग्यताएं

मैनेजर के पद पर आवेदन करने के लिए कंप्यूटर साइंस या एप्लीकेशन में ग्रेजुएशन की डिग्री होनी चाहिए। इसके लिए 35 साल से कम उम्र वाले आवेदन के पात्र हैं। चार्टेड आकाउंट के पद पर सेलेक्ट होने वालों को हर महीने 65,000 रुपये से 93,000 रुपए तक बेसिक सैलरी मिलेगी। इसके अलावा अन्य सरकारी भत्तों का लाभ भी मिलेगा। आवेदन करने के लिए nainitalbank.co.in वेबसाइट पर जाएं और Latest Notification के लिंक पर क्लिक करें। अगले पेज पर Nainital Bank PO & Other Post Notification 2024 के लिंक पर क्लिक करें। अब Apply Online के लिंक पर क्लिक करें। इसके बाद मांगी गई डिटेल्स भरें और पंजीकरण करें। रजिस्ट्रेशन के बाद एप्लीकेशन फॉर्म भर सकते हैं।

मेडिकल छात्रों में बढ़ रही है मानसिक दुर्बलता

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार
व पत्रकार

यह कितनी विडंबनापूर्ण बात है कि जो विद्यार्थी मेडिकल शिक्षा हासिल कर रहे हैं, वही तनावग्रस्त होकर मानसिक दुर्बलता के शिकार हो रहे हैं। जबकि चिकित्सा शिक्षा के छात्रों को मानसिक रूप से पूर्ण परिपक्व होना चाहिए? राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) के एक कार्यबल ने ऑनलाइन सर्वेक्षण करके बताया है कि मेडिकल के लगभग 28 प्रतिशत स्नातक और 15.3 प्रतिशत स्नातकोत्तर छात्रों ने मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझने की बात स्वीकारी है। सर्वेक्षण में 25,590 स्नातक छात्र, 5,337 स्नातकोत्तर छात्र और 7,035 संकाय सदस्यों ने भागीदारी की। इस परिणाम के बाद सलाह दी गई है कि रेजिडेंट डॉक्टर प्रति सप्ताह 74 घंटे से अधिक काम न करें। सप्ताह में एक दिन की छुट्टी लें और प्रतिदिन सात से आठ घंटे नींद लें। मेडिकल छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर आई राष्ट्रीय कार्यबल की रिपोर्ट के अनुसार पिछले 12 महीनों में 16.2 फीसदी एमबीबीएस छात्रों ने मन में स्वयं को नुकसान पहुंचाने या आत्महत्या करने के विचार आने की बात मानी है। जबकि एमडी एवं एमएस छात्रों के मामलों में यह संख्या 31 प्रतिशत दर्ज की गई है। रपट के मुताबिक छात्रों में अकेलेपन या सामाजिक अलगाव की भावना तेजी से पनप रही है। 35 फीसदी छात्र इसका अकसर अनुभव करते है और 39.1 फीसदी छात्रों ने कभी-कभी इस विकृत भावना का अनुभव किया है। साफ है, सर्वे का यह पहलू चिंताजनक है। इस समस्या का समाधान होना चाहिए।

चिकित्सक और चिकित्सा की पढ़ाई करने वाले छात्रों में जानलेवा तनाव का उभरना वाकई चिंता का विशय है। चिकित्सा शिक्षा एक तो लंबे समय तक चलने वाली सबसे कठिन और उबाऊ पढ़ाई है, दूसरे पेशे में आने के बाद सबसे ज्यादा गंभीर दायित्व का निर्वहन करना भी है। ऐसे में कोलकाता की प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ घटित दुश्कर्म एवं हत्या के मामले छात्रों में अतिरिक्त भय और तनाव बढ़ाने का काम करते हैं। चिकित्सकों के साथ मरीजों और उनके परिजनों द्वारा दुर्व्यवहार और मारपीट सरकारी अस्पतालों से लेकर निजी चिकित्सालयों तक आम बात हो गई है। कई मामलों में उपचार के दौरान रोगी की मौत को परिजन चिकित्सक की लापरवाही ठहराने लगे हैं। ऐसे मामलों में अस्पतालों में मारपीट और तोड़फोड़ के मामले तो बढ़ ही रहे हैं, जातिगत और संप्रदाय विशेष के लोग अस्पताल में समूह की ताकत दिखाकर पुलिस और प्रशासन को पंगु बना देने का काम भी कर रहे हैं। ऐसे मामलों में निर्दोश चिकित्सक के विरुद्ध दबाव में झूठी एफआईआर दर्ज कर दी जाती है। राजनीति भी अकसर जाति और संप्रदाय के समूह के साथ खड़ी दिखाई देती है। ऐसे में कानून की संहिताएं बोनी दिखाई देती हैं। जब दबाव में ही काम करना है तो कठोर कानून का भी कोई अर्थ नहीं रह जाता है। 18.2 प्रतिशत चिकित्सा छात्रों को शंकाएं और परामर्श दाताओं से भी अपेक्षित सहयोग नहीं मिलता है, क्योंकि वे खुद डर की दहशत में आ चुके होते हैं। ऐसे माहौल में तनाव से निपटने के लिए ज्ञान और कौशल की कमी की पूर्ति के लिए प्रशिक्षण मात्र झुनझुना है। सर्वेक्षण में 56.6 प्रतिशत छात्रों ने अपने शैक्षणिक भार को संभालने योग्य परंतु अत्याधिक बताया। 20.7 फीसदी छात्रों ने शैक्षणिक भार बहुत ज्यादा बताया। केवल 1.5 फीसदी छात्रों ने इसे हल्का बताया। सर्वेक्षण में पाया गया कि 'असफलता का डर' स्नातकोत्तर छात्रों में एक अहम् मुद्दा है। जिसमें 51.6 फीसदी सहमत हैं, कि यह उनके प्रदर्शन पर नकारात्मक असर डालता है। असफलता का यह डर देश के कोचिंग संस्थानों में एमबीबीएस में प्रवेश लेने की प्रतिस्पर्धा में लगे छात्रों को सता रहा है। इसलिए लगातार देखने में आ रहा है कि कोचिंग संस्थाओं के बड़े केंद्र कोटा में छात्र निरंतर आत्महत्या कर रहे हैं।

> *दरअसल जो मेधावी छात्र निजी कॉलेज की शुल्क अदा करने में सक्षम नहीं हैं, वह मजबूरी वश अपनी सीट भी छोड़ देते हैं। बाद में इसी सीट को निचली श्रेणी में स्थान प्राप्त छात्र खरीदकर प्रवेश पा जाते हैं। इस सीट की कीमत करोड़ों में है। गोया जो छात्र एमबीबीएस में प्रवेश की पात्रता नहीं रखते हैं, वे अपने अभिभावकों की अनैतिक कमाई के बूते इस पवित्र और जिम्मेदार पेशे के पात्र बन जाते हैं।*

देश के 322 सरकारी चिकित्सा महाविद्यालयों से प्रत्येक वर्श 48,012 छात्रों को नीट के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है। इसके अलावा इन्हीं कॉलेजों से 27,868 दंत चिकित्सक, 52,720 आयुश और 603 पशु चिकित्सक छात्रों को प्रवेश की सुविधा मिलती है। यदि निजी मेडिकल कॉलेज में भर्ती होने वाले छात्रों को भी जोड़ लिया जाए तो देश के करीब 707 मेडिकल कॉलेजों में 1,09048 छात्र प्रवेश लेते हैं। इनके अलावा दूसरे देशों से भी छात्र एमबीबीएस की पढ़ाई करके भारत में आकर चिकित्सा का पेशा अपना लेते हैं। वैष्विक स्तर पर भारतीय चिकित्सकों की उम्दा साख है। दुनिया की सबसे बड़ी चिकित्सा शिक्षा प्रणाली भी भारत में है। इसलिए अब उम्मीद की जा सकती है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन का जो 1000 की आबादी पर एक डॉक्टर की मौजदूगी अनिवार्य है, वह लक्ष्य आने वाले कुछ समय में पूरा हो जाएगा। फिलहाल हमारे यहां यह अनुपात 0.62.1000 है।

अब तक सरकारी चिकित्सा संस्थानों की शैक्षिक गुणवत्ता पर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन ध्यान रहे कि लगभग 60 प्रतिशत मेडिकल कॉलेज निजी क्षेत्र में हैं। ये संस्थान छात्रों से भारी-भरकम शुल्क तो वसूलते ही हैं। ऐसे में सामान्य प्रतिभाशाली छात्र के लिए एमएमबीबीएस परीक्षा कठिन बनी हुई है। ऐसे में विकित्सा की पढ़ाई करने वाले छात्र अवसाद का शिकार तो होंगे ही?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

आजादी के 77 साल बाद भी...

पौष्टिक भोजन जुटाने में नाकाम भारत!

ज्ञानेन्द्र रावत
वरिष्ठ पत्रकार व पर्यावरणविद्

आज हम देश की आजादी का जश्न मना रहे हैं और दुनिया में शक्तिशाली देशों की पांत में आ खडे होने का दावा भी कर रहे हैं। वह बात दीगर है कि 1947 में जब देश आजाद हुआ था, तब से लेकर आज तक बीते इन 77 सालों में विज्ञान, तकनीक, रक्षा, शिक्षा आदि के क्षेत्र में देश ने चहुंमुखी विकास करने में कामयाबी पायी है और अब तक आधारभूत ढांचों के विकास में गर्व करने योग्य प्रगति दर्ज की है। यही नहीं रेलवे, एअरपोर्ट, सड़क मार्ग, दूरसंचार, बंदरगाह जैसे क्षेत्रों के विकास की गाथा खुद-ब-खुद देश की कुशल और कारगर नीतियों को प्रमाणित करती है। लेकिन आज भी हम दावे कुछ भी करें असलियत में आम जन को चिकित्सा, खाद्य और पोषक आहार आदि सुविधा दे पाने में नाकाम रहे हैं। वर्षा जल संचय और सीवेज सुविधाओं की नाकामी जगजाहिर है ही। इन्वेस्ट इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत की भंडारण क्षमता का बाजार भले 2022 के बाद से 16 फीसदी की सालाना दर से बढ़ रहा हो, लेकिन हमारा कृषि क्षेत्र आज भी कई संकटों का सामना कर रहा है।

वैश्विक अर्थ व्यवस्था में भले भारत की स्थिति पांचवीं हो, दुनिया में भारत बिजली का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक बन गया हो, दुनिया का सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क का जाल बिछाने वाला देश बन गया हो, देश के अंतरिक्ष मिशनों ने ब्रह्मांड के बारे में वैज्ञानिक ज्ञान में अभूतपूर्व योगदान दिया है, 2003-4 में जीडीपी का 0.9 फीसदी हिस्सा हैल्थकेयर पर खर्च किया जाता हो जो 2022-23 में 2.3 फीसदी तक पहुंच गया हो, लेकिन इसके बावजूद लोगों की जेब पर दवा के खर्च का भार कम करने में कामयाबी कोसों दूर है। दुख इस बात का है कि इस सबके बावजूद विकास का लाभ बहुतों तक आज भी नहीं पहुंच पाया है। हकीकत यह है कि हम 2047 तक विकसित भारत बनाने का दावा करते नहीं थकते लेकिन अकेले स्वास्थ्य सेवाओं पर ही नजर डालें तो 50 लाख से भी ज्यादा डाक्टर, अस्पतालों में 30 लाख बेड और डेढ़ करोड़ से ज्यादा नर्सों की कमी का सामना करना पड़ेगा । देश के औद्योगिक संगठन फिक्की और रिसर्च एजेंसी ईवाई ने विकसित देश जैसी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए भारत में संसाधनों की आवश्यकता पर आधारित 'डिकार्डिंग इंडियाज हेल्थकेयर लैंडस्केप' शीर्षक वाली रिपोर्ट ने इसका खुलासा करते हुए कहा है कि ऐसा करके ही भारत विकसित देशों के औसत के करीब पहुंचने में समर्थ हो सकता है। इसके लिए देश की 100 फीसदी आबादी को हैल्थ इंश्योरेंस के दायरे में लाना होगा। कैंसर जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों की बात छोड़ भी दें, अस्थमा जैसी फेफड़ों की आनुवांशिक बीमारी तक के 70 फीसदी मरीज बगैर उपचार के रह जाते हैं। गौरतलब है कि इस बीमारी से देश में हर साल तकरीब दो लाख लोगों की मौत हो जाती है।

> *हर साल अस्थमा से होने वाली मौतों का आंकड़ा देश में लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इसका खुलासा कनाडा के ओंटारियो स्थित ओटावा के अस्पताल में फेफड़ों के डाक्टर प्रोफेसर शान आरोन ने अध्ययन के उपरांत करते हुए कहा है कि लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं क्योंकि उनके मर्ज की पहचान ही नहीं हो पायी है। यही वजह है कि वे इलाज से वंचित रह गए।*

यदि शुरूआत में ही इस बीमारी का पता चल जाये तो किसी भी अस्थमा के रोगी को और उससे होने वाली इन दो लाख मौतों को रोका जा सकता है। एक अध्ययन के मुताबिक दुनिया में अस्थमा से होने वाली मौतों में 44 फीसदी अकेले भारत में होती हैं। दुखदायी बात तो यह है कि हर साल अस्थमा से होने वाली मौतों का आंकड़ा देश में लगातार बढ़ता ही जा रहा है। इसका खुलासा कनाडा के ओंटारियो स्थित ओटावा के अस्पताल में फेफड़ों के डाक्टर प्रोफेसर शान आरोन ने अध्ययन के उपरांत करते हुए कहा है कि लोग इस बीमारी से पीड़ित हैं क्योंकि उनके मर्ज की पहचान ही नहीं हो पायी है। यही वजह है कि वे इलाज से वंचित रह गये। असलियत यह है कि इस बीमारी में मरीज की सांस की नली में सूजन आने लगती है जिससे फेफड़ों में सिकुड़न हो जाती है। इससे सांस लेने में परेशानी होने लगती है। उसमें बलगम आ जाता है जिससे सांस लेना मुश्किल होने लगता है। अक्सर डॉक्टर नाक से पानी आने, छींक आदि आने को एलर्जी समझ लेते हैं जिससे इसका सही उपचार नहीं हो पाता और यह बीमारी घातक रूप अख्तियार कर लेती है। दुनिया में 70 फीसदी मरीज ऐसे हैं जिनमें अस्थमा की बीमारी की पहचान नहीं हो सकी। इसका अहम कारण वायु प्रदूषण है जिसकी चपेट में इन दिनों पूरी दुनिया है। जबकि वायु प्रदूषण के मामले में हमारा देश शीर्ष पर है। फिर हमारे यहां के आम गांव-देहात और जिलों के डाक्टरों की बात छोड़ दें, देश के शीर्ष अस्पतालों के डाक्टरों के लिखे नुस्खों की बात करें तो उसमें आधे फेल निकले हैं। इसका खुलासा देश के आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के अध्ययन में हुआ है। आम तौर पर डाक्टर के लिखे परचे पर मरीज आंख बंद कर भरोसा करते हैं और उन्हें उम्मीद होती है कि वह उससे ठीक हो जायेंगे । अध्ययन में कहा गया है कि 47 फीसदी डाक्टरों के लिखे नुस्खे ठीक नहीं पाये गये। इस अध्ययन की रिपोर्ट इंडियन जर्नल आफ मैडीकल रिसर्च के ताजाअंक में प्रकाशित हुई है जिसमें कहा गया है कि ये नुस्खे देश के जाने माने अस्पतालों के मैडिसिन, कम्यूनिटी मैडिसिन, शल्य चिकित्सा, प्रसूति, स्त्रीरोग, बाल रोग, त्वचा, नेत्र व दंत चिकित्सा विभाग आदि की ओपीडी में तैनात डाक्टरों द्वारा लिखे गये हैं जिनमें कई खामियाँ पायीं गयीं। उसमें टैबलेट के सस्ते विकल्प की जगह इंजैक्शन का मंहगा विकल्प दिया जाना, गैर जरूरी एंटीबायोटिक्स और एंजाइम लिखना, 1 से 13 जांच लिखा जाना शामिल है। दर असल नुस्खे सही नहीं होने से मरीज पर कई दुष्प्रभाव होते हैं जिनमें दवाओं का रीएक्शन, एंटीबायोटिक के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता पैदा होने, इलाज का असफल होना, अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत पड़ जाना, इलाज की कीमत बढ़ना आदि शामिल है। गौरतलब यह है कि इनमें 9.8 फीसदी पर्चियां ऐसी थीं जिन्हें किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। अब बात पौष्टिक भोजन की करें तो पाते हैं कि भारत में पौष्टिक भोजन जुटाने में अधिकांश भारतीय असमर्थ हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी रिपोर्ट में इसका खुलासा किया गया है। देश की आधी से ज्यादा आबादी अभी भी स्वस्थ आहार नहीं ले पा रही है।

खाद्य पदार्थों में मिलावट ने आम आदमी के जीवन को न केवल व्यापक रूप से दुष्प्रभावित किया है बल्कि उसके स्वास्थ्य से भी गंभीर रूप से खिलवाड़ किया है। इसके चलते प्रभावितों की तादाद दैनंदिन तेजी से बढ़ रही है और वे जानलेवा बीमारियों के चंगुल में आकर मौत के मुंह में जा रहे हैं। यह संकट केवल मिलावट का ही है, ऐसा भी नहीं है। गुणवत्ता का भी संकट है जिसके नामपर एक सुनियोजित साजिश के तहत लगातार भ्रमित भी किया जा रहा है जो सेहत पर भारी पड़ रहा है। जरूरत ऐसे भ्रामक प्रचार पर लगाम लगाने की है जिससे स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ न किया जा सके। तभी जीवन सुरक्षित रह सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

थोबड़ा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रकाश हेमावत
व्यंग्यकार

हमारा देश त्योहारों का देश है इसके साथ-साथ बीच-बीच में कभी-कभी समय के साथ चलते-चलते कुछ दिवस भी जुड़ गए जिन हम बड़ा उत्सव मांग के साथ रीति रिवाज के साथ मनाते हैं । इसी उत्सव के चलते आज " विश्व थोबड़ा दिवस " है यह पढ़ते ही सोशल मीडिया के माध्यम से जैसे ही मुझे यह संदेश प्राप्त हुआ । संदेश पढ़ते ही मेरा सिर चकरा गया जीवन के 50 बसंत पार करते हुए इतना समय गुजर गया कभी इस दिवस के बारे में ना कभी सुना था और ना कभी पढ़ा था और ना किसी ने इस बारे में कोई चर्चा की होगी या फिर सोचा होगा ? वैसे तो फ़ादर्स डे, मदर्स डे, डॉक्टर्स डे, वैलेंटाइन डे, खाद्य दिवस, हिंदी दिवस, मित्रता दिवस और न जाने कैसे कैसे दिवस हमारे देश में मनाए जाते हैं शायद इन जैसे दिवसों, डे कहीं किसी देश विदेश के अंतर्गत यह थोबड़ा दिवस मनाया जाता होगा शायद इसी तर्ज पर हमारे देश में भी मनाया जा रहा होगा।

मेरे परम साहित्यकार मित्र झोला थमानी ने विश्व थोबड़ा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं मोबाइल के माध्यम से मुझे दी। शुभकामना प्राप्त करते ही ख्यालों के सागर में डूब गया कि आखिर थोबड़ा दिवस क्यों मनाया जाता है? किस लिए मनाया जाता है? आदि आदि के बारे में सोचने लगा और पता लगाया कि इस थोबड़ा के लिए किन-किन महानुभावों ने क्या-क्या किया? क्या-क्या लिखा? क्या-क्या सोचा होगा? क्या-क्या किस-किस को कैसे कैसे बनाया होगा? इस थोबड़े के चक्कर में आदि आदि सोचने लगा और सोचते सोचते इतना सोचने लगा कि इस थोबड़े के बारे में इस थोबड़े को चमकाने के लिए हर कोई किसी ने किसी क्षेत्र में विभिन्न प्रकार के प्राणी कितना व्यायाम करते हैं। कसरत करते हैं। मेहनत करते हैं और पता नहीं क्या-क्या करते हैं। जैसे ही मैंने एक पार्लर की तरफ निगाह दौड़ाई तो वहां पर लिखा हुआ था अपनी उम्र को छिपाइए और थोबड़े को चमकाइए हमारे यहां पर आपके थोबड़े को चमकाने के लिए विभिन्न प्रकार के विदेशी कंपनियों के पाउडर ही पाउडर, क्रीम, फाउंडेशन आदि आदि जैसे चमकदार पदार्थों का प्रयोग करके थोबड़े को अच्छी तरह से चमकाया जाता है । फिर मेने अपने ही जाती के साहित्यकार बंधुओं को देखा तो पता चला कि इस थोबड़े पर कई प्रकार के फिल्मी गीत, गजल, दोहा, छंद , चौपाई, कविताएं, लेख, आलेख तक विभिन्न पक्षों में भावों की अभिव्यक्ति इतिहास के पन्ने पर दर्ज होती हुई मिली। सबसे महत्वपूर्ण जानकारी तो यह है कि आम नागरिकों के बीच में ऐसे ऐसे थोबड़े मिल जाएंगे। दिख जाएंगे । जिनके ऊपर विश्वास भी सरलता के साथ विश्वास किया जा सकता है और अविश्वास भी अविश्वास के साथ विश्वास किया जा सकता है । कई थोबड़े ऐसे हैं जो थोबड़े पर थोबड़े लगाकर चारों तरफ नजर आ रहे हैं कुछ थोबड़े तो मानवता के वेष में भेड़िए की तरह , हैवान की तरह , कुकर्मी की तरह घूम रहे हैं और कुछ तो दानव के रूप में, कुछ देवता की तरह पूजे जा रहे हैं । कई जगह तो इस थोबड़े के कारण सच्चाई की जगह झूठ का बोलबाला चल रहा है। सामाजिक दृष्टिकोण को जब मैं चारों तरफ घुमाया तो पता चला धार्मिकता की आड़ में अपनी आर्थिक स्थिति को अत्यधिक रूप से मजबूत करते हुए राजनीति करते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह भी थोबड़े के पीछे छिपा हुआ सच की तरह सच है।

इतना बहुत कुछ थोबड़े पर सोचने विचारने के बाद लिखने लगा तो कलाम ने मना कर दिया कि भाई फर्जी एचडी साहित्यकार तुम कितना लिखोगे सच को सच लिख दिया और आपने झूठ को झूठ लिख दिया इसलिए आपके मित्र ने थोबड़ा दिवस की शुभकामनाएं सिर्फ आपको ही दी क्योंकि यह 'शुभ काम ना आए' आपके लिए समझ गए ना मैं क्या कहना चाहता हूं इसलिए अपने आसपास रहने वाले थोबड़े को पहचानिए और जानिए कि आपका कौन शोषण कर रहा है कौन आपके साथ मुंह देख कर तिलक निकल रहा है आदि आदि।

दृष्टिकोण

जिंदगी के मायनों को समझने की जरूरत...

राजेंद्र बज
स्वतंत्र टिप्पणीकार

कुछ और की चाहत हमें सुकून से जीने नहीं देती। चाहे हम अच्छी तरह जानते और समझते हो कि मृगतृष्णा का कहीं कोई ओर-छोर नहीं होता। और तो और, जो कुछ हमारा है- वह भी हमारा ही कब तक रहने वाला है? एक दिन आएगा जब चार कंधों की तलाश होगी। पांचवा, छठा, सातवां या आठवां कंधा भी यदि मिलेगा, तो भी किसी एक समय में कुल जमा चार कंधे ही तो होंगे। दरअसल इन सब बातों को हम अच्छी तरह से जानते-समझते हुए भी जाने किस गफलत में जी रहे हैं! दरअसल इन संदर्भों में हमें जीवन का अर्थ समझने की नितांत आवश्यकता है। सांसारिक रंगमंच पर हम अपनी-अपनी भूमिका का ही तो निर्वहन कर रहे हैं। जीवन में सुख और शांति की तलाश में हम अत्र-तत्र-सर्वत्र भटक रहे हैं, लेकिन सुकून नहीं मिलता।

हालांकि हम सांसारिक हैं - इस नाते माया, ममता, मोह और लोभ का संवरण नहीं कर पाते। हमें अपनी एवं अपने परिजनों की आजीविका के लिए नीति और सिद्धांतों के सर्वथा विपरीत जाकर भी अर्थ संग्रह के प्रति बाध्य होना पड़ता है। जमाने भर का झूठ-सच हम करा करते हैं। पापी पेट के सवाल के आगे कभी-कभी तो नीति और अनीति में कोई फर्क नहीं करते। ऐसा नहीं है कि हम भौतिक संपन्नता के चलते सदैव प्रसन्न होते हैं। जीवन में हताशा और निराशा से भी हमारा सामना होता है। हम कभी अपने आप को सुखी समझते हैं और कभी दुखी हो जाया करते हैं। मन के अनुकूल होने पर ही यह जीवन हमें जीने लायक लगता है। सांसारिक पदार्थों के प्रति आसक्ति भाव चंचल मन के चलते हमें दुखी ही करता है। वहीं दूसरी ओर विपरीत परिस्थितियां निर्मित हो जाने पर भी हम हताशा और निराशा के गहन अंधकार में डूब जाते हैं। हम पर अच्छे और बुरे दोनों प्रकार के समय का असर पड़ता है। मौसम की भांति सुख-दुख आनी-जानी चीज है, बावजूद इसके जीवन में अनेक अवसरों पर हम व्यथित हो जाते हैं। कभी हम अपने अवचेतन मन में आशा और निराशा के गर्त में डूब कर किंकर्तव्यविमूढ़ हो जाते हैं। अलग-अलग समय में अलग-अलग परिस्थितियों के बीच कभी-कभी हम अपनी भूमिका का निर्धारण भी नहीं कर पाते। धर्म शास्त्रों के नीतिपरक उपदेश भी हमें विपरीत समय में ही अधिक याद आते हैं। समय की धारा का प्रवाह निरंतर जारी होता है और देखते ही देखते हमारे जीवन यात्रा पर विराम लग जाता है। परिजन हमें समय-समय पर चाहे याद करते हो, लेकिन एक समय ऐसा भी आता है कि जब हम इतिहास का हिस्सा बन जाते हैं, लेकिन जब जीवन में सकारात्मक दौर आता है, तब हम परोक्ष रूप से इसे अपने पुरुषार्थ का प्रतिफल मान बैठते हैं। हमारी धार्मिक श्रद्धा और आस्था भी कभी-कभी परिस्थितियों के अधीन हो जाया करती है। सम और विषम स्थितियों में एक जैसे भाव का रखना, हमारे लिए कदापि संभव नहीं होता। कभी-कभी हमें यह संसार पराया लगने लगता है और कभी कभी इस संसार के प्रति आसक्ति भाव प्रबल हो जाया करता है। दरअसल जीवन के रंगमंच पर हम अपनी-अपनी भूमिका को जिया करते हैं। आखिरकार एक दिन आता है जब हमें यह सोचने के लिए विवश हो जाना पड़ता है कि जीवन में हमने क्या खोया और क्या पाया? लेकिन जब तक जीवन का अर्थ समझ में आए तब तक तो बहुत देर हो चुकी होती है। यह सिलसिला निरंतर चल करता है, लेकिन अफसोस! तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। हमारे पास प्रायश्चित कर सकने का भी समय नहीं होता। इस प्रकार अधर में लटकते लटकते ही इस संसार से हमारा अस्तित्व ही भौतिक दृष्टि से विलुप्त हो जाया करता है। मृत्यु के पश्चात भी क्या जीवन हैं? क्या सत्कर्म और दुष्कर्म का कोई लेखा जोखा रखने वाला है? या यह सब बनी बनाई और सुनी सुनाई बातें हैं? वास्तविकता क्या है, इसका तो पता नहीं लेकिन इतना जरूर है कि व्यक्ति अपने जीवन काल में ही प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से अपनी करनी का फल पाता ही है। हालांकि अलग-अलग धर्म शास्त्रों में इसका उल्लेख मिलता है कि अच्छे कर्म से अच्छी गति मिलती है और बुरे कर्म से बुरी गति मिला करती है। ऐसे में यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि हम अपने जीवन की प्राथमिकता को सुनिश्चित करें। हम अपने लिए ही न जिएं, अपितु दूसरों को भी जीवन को जीने लायक रखने के लिए यथासंभव योगदान देते रहे। इन संदर्भों में हमें प्रकृति का मनोविज्ञान समझने की नितांत आवश्यकता होगी। यह निश्चित है कि जब हम कोई अच्छा काम करते है, मनोमस्तिष्क में एक अतिरिक्त ऊर्जा एवं चेतना का संचार करते हुए पाते हैं। इसके विपरीत बुरा काम करने पर हमारी अपनी अंतरात्मा ही हमें कचोटने लग जाती है। इस आधार पर चाहे स्वर्ग या नरक की परिकल्पना कपोलकल्पित लगे लेकिन इस धरा पर ही स्वर्ग और नर्क का नजारा देखा जा सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
@myogiadityanath
भाजपा के सदस्यता अभियान-2024 के अंतर्गत आज लखनऊ में आयोजित कार्यशाला में कार्यकर्ताओं से संवाद का सौभाग्य प्राप्त हुआ। आमजन को पूर्ण विश्वास है कि देश में राजनीतिक स्थिरता के लिए भारतीय जनता पार्टी आवश्यक है।

यूपीएससी लेटरल एंट्री पर सरकार के कदम पीछे खींचने पर भी सियासी घमासान जारी...

कांग्रेस ने थपथपाई अपनी पीठ, भाजपा ने पुरानी नियुक्तियों पर घेरा

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने सचिवों व महानिदेशकों सहित विभिन्न पदों पर संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से लेटरल एंट्री यानी बिना किसी तय प्रतियोगी परीक्षा के सीधी भर्ती करने पर रोक लगा दी है और सरकार के इस कदम पर कांग्रेस ने खुशी जताई है ।

वहीं, भाजपा ने कांग्रेस पर पलटवार किया है और उसकी सरकारों के दौरान हुई भर्तियों में पर सवाल पूछे हैं। ज्ञात रहे कि लेटरल भर्ती की सरकार की पहल का कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने विरोध किया था। बाद में केंद्र सरकार में शामिल राजग के सहयोगी दलों जदयू और लोजपा(रामविलास) ने भी बिना आरक्षण के लेटरल एंट्री पर आपत्ति जताई थी। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और अन्य विपक्षी नेताओं के विरोध के कारण ही केंद्र सरकार को 'लेटरल एंट्री' से संबंधित विज्ञापन को निरस्त करने का निर्णय लेना पड़ा। कांग्रेस

महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में कहा कि 'यह (लेटरल एंट्री की वापसी) साफ तौर पर लोकसभा और राज्यसभा दोनों में विपक्ष के नेताओं और अन्य नेताओं की आलोचना का प्रभाव है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि 'संविधान की जीत हुई। मोदी सरकार लेटरल एंट्री में बिना आरक्षण के भर्ती की साजिश कर रही थी, लेकिन अब इस फैसले को वापस लेना पड़ा है। एक बार फिर मोदी सरकार को संविधान के आगे झुकना पड़ा है। यह बाबासाहेब के संविधान की जीत है। यह दलित, शोषित, पिछड़ों की जीत है।

संविधान, आरक्षण की हर कीमत पर रक्षा होगी

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि संविधान और आरक्षण व्यवस्था की हम हर कीमत पर रक्षा करेंगे। भाजपा की 'लेटरल एंट्री' जैसी साजिशों को हम हर हाल में नाकाम कर के दिखाएंगे। मैं एक बार फिर कह रहा हूं - 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा को तोड़ कर हम जातिगत गिनती के आधार पर सामाजिक न्याय सुनिश्चित करेंगे।

भाजपा का राजीव सरकार के बहाने पलटवार

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने एक सवाल के जवाब में कहा कि मौजूदा कैबिनेट सचिव 1987 बैच के हैं जब केंद्र में राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी की सरकार थी। क्या राहुल गांधी बताएंगे कि राजीव गांधी ने कितनों को आरक्षण दिया? त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी और उनके खानदान की आरक्षण और एससी-एसीट और ओबीसी को लेकर जो विरासत है, वो किसी से छिपी हुई नहीं है और उनकी अज्ञानता भी किसी से छिपी नहीं है।

युवक की हत्या: पीड़ित परिवार से मिले राहुल गांधी

लखनऊ। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश के रायबरेली के नसीराबाद क्षेत्र के पिछवरिया गांव में हुई में अनुसूचित जाति के युवक अर्जुन पासी की हत्या के मामले में उसके परिजनों से मिले और उन्हें मदद का भरोसा दिलाया। इस मौके पर राहुल गांधी ने कहा कि यहां पर जो सभी लोग हैं वो न्याय मांग रहे हैं क्योंकि एक दलित युवा को जान से मारा गया है। पूरे परिवार को धमकाया गया है, एक व्यक्ति को मारा गया है लेकिन यहां कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। यहां के एसपी मास्टरमाइंड पर कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, छोटे-छोटे लोगों को पकड़ रहे हैं। मैं चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में हर वर्ग का आदर हो और न्याय सबको मिले।

संघ की समन्वय बैठक 31 अगस्त से केरल में

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक केरल के पलक्कड़ में 31 अगस्त से शुरू होगी। इस बैठक को बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसमें कई राज्यों में आगामी चुनावों सहित राष्ट्रीय संदर्भ के बड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श हो सकता है। बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी भाग ले सकते हैं। बैठक में आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले सहित संघ के सभी छह सह सरकार्यवाह और अन्य प्रमुख पदाधिकारी भाग लेंगे। गत लोकसभा चुनाव में नड्डा के एक बयान से भाजपा-आरएसएस में कुछ मतभेद होने की खबरें आईं थीं, लेकिन दोनों ही संगठनों के शीर्ष नेताओं ने इससे इनकार किया था। इस बैठक में दोनों संगठनों में बेहतर समन्वय को लेकर भी विचार-विमर्श हो सकता है।

भाजपा ने राज्यसभा की 9 सीटों के लिए प्रत्याशी घोषित किए

किरण चौधरी को हरियाणा से बनाया प्रत्याशी, साधे सियासी समीकरण

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने 8 राज्यों में रिक्त हुई राज्यसभा 9 सीटों के 3 सितंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए मंगलवार को अपने प्रत्याशियों के नामों की घोषणा कर दी। पार्टी ने राजस्थान से केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू को चुनाव मैदान में उतारा है। वहीं, हरियाण से लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस को छोड़कर पार्टी में शामिल हुई किरण चौधरी को अपना प्रत्याशी बनाया है। राज्य में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर किरण चौधरी को राज्यसभा में भेजा जाना पार्टी का रणनीतिक कदम माना जा रहा है। पार्टी ने ओमप्रकाश धनखड़ को राज्य विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव घोषणा पत्र समिति का अध्यक्ष बनाने के बाद किरण चौधरी को राज्यसभा में भेजने का फैसला कर राज्य के प्रभावशाली जाट मतों को साधने का काम किया है।

भाजपा ने मध्य प्रदेश से राज्यसभा की एक सीट पर उपचुनाव के लिए केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के राज्य मंत्री जार्ज कुरियन को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। कुरियन बुधवार को यहां अपना नामांकनपत्र दाखिल करेंगे। भाजपा नेता एवं केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के राज्यसभा से त्यागपत्र के कारण मध्य प्रदेश यह एक सीट रिक्त हुई है। पार्टी ने बिहार से बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष और वरिष्ठ अधिवक्ता मनन कुमार मिश्रा, ओडिशा से पूर्व बीजद नेता ममता मोहंता और त्रिपुरा से राजीव भट्टाचार्य को अपना उम्मीदवार बनाया है। बिहार से राज्यसभा की दो सीटों के लिए राजग के दोनों प्रत्याशी अब तय हो गए हैं। एक अन्य सीट के लिए आएलएम के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा को पहले ही प्रत्याशी घोषित किया जा चुका है। दूसरी सीट के लिए मनन कुमार मिश्रा को प्रत्याशी घोषित कर ब्राह्मण चेहरे पर दांव खेला है।

कौन कहां से प्रत्याशी

राज्य	प्रत्याशी
राजस्थान	रवनीत सिंह बिट्टू
हरियाणा	किरण चौधरी
असम	मिशन रंजन दास
असम	रामेश्वर तेली
बिहार	मनन कुमार मिश्रा
मध्य प्रदेश	जॉर्ज कुरियन
महाराष्ट्र	धैर्यशील पाटिल
ओडिशा	ममता मोहंता
त्रिपुरा	राजीव भट्टाचार्जी

भाजपा को 12 में से 11 सीट मिलने की उम्मीद

भाजपा और इसके सहयोगी दलों को चुनाव में 12 में से 11 सीट मिलने की उम्मीद है, जिससे 245 सदस्यीय सदन में राजग का संख्याबल 122 हो जाएगा। जम्मू-कश्मीर से उच्च सदन में चार सीट रिक्त हैं क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश को अभी तक अपनी पहली विधानसभा नहीं मिली है। इससे राज्यसभा की प्रभावी संख्या घटकर 241 रह गई है। पीयूष गोयल, सर्बानंद सोनोवाल और ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत मौजूदा सदस्यों के लोकसभा के लिए चुने जाने के कारण राज्यसभा की 10 सीट खाली हो गई हैं। तेलंगाना और ओडिशा में भी दो सीटों के लिए उपचुनाव होना है।

पूर्व सीएम बंशीलाल की पुत्रवधू हैं किरण चौधरी

किरण चौधरी जाट समाज से आती हैं, जिस वर्ग में भाजपा अपनी पैठ बनाना चाहती है। वह राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और कद्दावर नेता रहे बंशीलाल की बहू हैं। उनका भिवानी-महेंद्रगढ़ क्षेत्र में बड़ा जनाधार माना जाता है। किरण चौधरी कांग्रेस में रहते हुए भी भूपिंदर सिंह हुड्डा खेमे से अलग मानी जाती थीं। कहा जाता है कि उनके कांग्रेस छोड़ने की वजह यह थी कि उन्हें बेटी श्रुति के लिए लोकसभा टिकट की उम्मीद थी, लेकिन उनकी बजाय कांग्रेस ने राव दान सिंह को मौका दिया। दान सिंह को हुड्डा का भरोसेमंद माना जाता है। इसी से नाराज होकर किरण चौधरी ने भाजपा में शामिल हो गई थी।

ऐसे जुट सकता है बहुमत का आंकड़ा

अगले महीने 3 सितंबर को राज्यसभा की 12 सीटों के लिए उपचुनाव होने वाला है। इसके बाद भाजपा नीत राजग को उच्च सदन में स्पष्ट बहुमत हासिल होने की उम्मीद है। इससे पार्टी को वक्फ (संशोधन) विधेयक जैसे प्रमुख विधेयकों को पारित कराने में मदद मिलेगी। वर्तमान में 229 सदस्यों वाले उच्च सदन में भाजपा के 87 सांसद हैं तथा इसके सहयोगी दलों के साथ यह संख्या 105 है। इसके अलावा छह मनोनीत सदस्य हैं। यदि इनको भी राजग के सांसदों के साथ शामिल किया जाए तो यह संख्या 111 हो जाती है, जो 115 के बहुमत के आंकड़े से चार कम है। उच्च सदन में कांग्रेस के 26 सदस्य हैं तथा इसके सहयोगी दलों के 58 सदस्य और जुड़ने से विपक्षी गठबंधन के सदस्यों की संख्या 84 हो गई है। प्रमुख तटस्थ दलों में 11 सदस्यों वाली वाईएसआर कांग्रेस पार्टी और आठ सदस्यों वाली बीजद शामिल हैं।

सद्भावना दिवस कार्यक्रम में बोले अध्यक्ष

भाजपा जहर, इसे चखने की नहीं, फेंकने की जरूरत: खरगे

एजेंसी | मुंबई

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुंबई में कहा है कि भाजपा जहर की तरह है। इसे चाटकर देखने की जरूरत नहीं है। बल्कि तुरंत निकालकर फेंकने की जरूरत है। खरगे राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेस के सद्भावना दिवस कार्यक्रम में मुंबई में बोल रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि संविधान बचाने का मुद्दा अब भी हमारे लिए सबसे बड़ा मुद्दा है। हमारे पास राज्य होंगे तो राज्यसभा में बहुमत होगा और संविधान बचाया जा सकेगा। अगर विधायक नही होंगे तो राज्यसभा के सांसद कैसे चुनेंगे। खरगे ने कहा- मोदी जी कहते थे अबकी बार 400 पार, लेकिन महाराष्ट्र ने ऐसा झटका दिया उनकी सरकार बैसाखी पर आ गई। चुनाव में इंडिया गठबंधन ने 240 पर ला दिया। राजीव गांधी ने संसद में सबसे ज्यादा 415 सीटें जीती थीं। इसके बाद भी चुपचाप बैठकर देश की तरक्की के लिए काम करते थे। राजीव गांधी ने रेलवे, रोड, एयरपोर्ट बनाए, वो सब बीजेपी सरकार बेच रही है।

राजीव ने बदले की भावना से नहीं किया काम: उद्धव

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि उनके पिता बाल ठाकरे ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की आलोचना की थी, लेकिन केंद्रीय एजेंसियों ने कभी शिवसेना कार्यकर्ताओं को परेशान नहीं किया। उद्धव ने कांग्रेस के सद्भावना दिवस कार्यक्रम में पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी की सरकार ने चुनौतियों का डटकर सामना किया लेकिन वर्तमान सरकार मणिपुर और कश्मीर में हिंसा की समस्याओं पर मौन रही।

एमयूडीए घोटाला मामले में सीएम का पलटवार

भाजपा लगा रही बेबुनियाद आरोप: सिद्धारमैया

एजेंसी | बेंगलुरु

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मंगलवार को कहा कि भाजपा उन पर बेबुनियाद आरोप लगा रही है। उन्होंने कहा कि वह हमेशा से गरीबों, दलितों और सामाजिक न्याय के पक्षधर रहे हैं। सीएम सिद्धारमैया की यह टिप्पणी राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों के मद्देनजर मुकदमा चलाने की अनुमति दिए जाने के बाद आई है।

पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री देवराज अर्स की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में सीएम सिद्धारमैया ने आरोप लगाया कि भाजपा के लिए गरीबों, पिछड़े वर्गों, दलितों और अल्पसंख्यकों के साथ खड़ा होना असंभव है। उन्होंने कहा, कांग्रेस हमेशा महिलाओं, गरीबों, अल्पसंख्यकों और दलितों की समर्थक रही है। चूंकि, मैं समाज में असमानता के खिलाफ हूं और गरीबों का समर्थक हूं, इसलिए भाजपा मेरे खिलाफ है और वह सह सब कर रही है, जो नहीं किया जाना चाहिए। इसलिए वे मेरे खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं।

भूखंडों के आंवटन में अनियमतता के आरोप मनगढंत

सिद्धारमैया ने आरोप लगाया कि भाजपा हमेशा चाहती है कि गरीब लोग उसी स्थिति में रहें और सामाजिक और आर्थिक रूप से मजबूत न बनें। सिद्धारमैया ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा भूखंडों के आवंटन में अनियमितताओं से संबंधित आरोपों को 'मनगढंत' करार दिया है। वहीं, भाजपा ने पारदर्शी और निष्पक्ष जांच के लिए मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग की है।

मेघालय में कांग्रेस को लगा बड़ा झटका

चार में से तीन विधायकों ने पार्टी छोड़ी, एनपीपी में हुए शामिल

एजेंसी | शिलांग

पहाड़ी राज्य मेघालय में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के चार में से तीन विधायकों ने अचानक पाला बदल लिया है। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के संगमा की मौजूदगी में सोमवार को कांग्रेस के तीन विधायक नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) में शामिल हो गए। सोशल मीडिया मंच एक्स पर सीएम संगमा ने लिखा कि विधायकों का पार्टी में शामिल होना एनडीए सरकार के विजन में विश्वास का प्रमाण है। संगमा ने कहा कि कांग्रेस के तीन विधायकों का एनपीपी में स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। उनका शामिल होना हमारी सरकार के विजन में विश्वास का प्रमाण है। अब हमारे पास 60 सीटों वाली मेघालय विधानसभा में 31 सदस्य हैं। इससे हमें पूर्ण बहुमत मिल गया है।

विपक्षी गठबंधन इंडिया के 13 विधायक

मेघायल में इंडी गठबंधन के कुल 13 विधायक हैं। इनमें सबसे अधिक पांच विधायक टीएमसी के हैं। कांग्रेस के पास अब केवल एक और वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी के पास चार विधायक हैं।

राजग के पास कुल 46 विधायक

आपको बता दें कि मेघालय की 60 सीटों वाली विधानसभा में राजग के 46 विधायक हैं। इनमें एनपीपी के 31 (तीन कांग्रेस विधायकों के शामिल होने के बाद), भाजपा के दो, यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी के 12 और हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के दो विधायक शामिल हैं। एनडीए गठबंधन को दो निर्दलीय उम्मीदवारों का भी समर्थन प्राप्त है।

जम्मू कश्मीर की चुनावी चिट्ठी

खरगे-राहुल आज से J&K के दौरे पर... तलाशेंगे गठबंधन की संभावना

एजेंसी | श्रीनगर/नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर में चुनावी घोषणा के साथ ही सियासी पार चढ़ने लगा है। गत दिनों हुई भारतीय जनता पार्टी की अहम चुनावी बैठक के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी के लिए बुधवार को दो दिवसीय दौरे पर जम्मू कश्मीर आ रहे हैं। उनके दौरे की जानकारी देते हुए कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष खरगे और विपक्ष के नेता राहुल गांधी आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी के लिए महत्वपूर्ण

बैठकों के लिए 21 और 22 अगस्त को जम्मू और श्रीनगर का दौरा करेंगे। इस बीच, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव गुलाम अहमद मीर ने कहा कि खरगे और राहुल बुधवार दोपहर जम्मू पहुंचेंगे। मीर ने आगे कहा कि अपने प्रवास के दौरान, वे जम्मू और श्रीनगर दोनों जगहों पर नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ व्यापक बैठकें करेंगे, जिसका उद्देश्य पार्टी कैडर को सक्रिय और मजबूत करना है। जम्मू कैडर के साथ बातचीत के बाद, खरगे और राहुल गांधी बुधवार शाम को श्रीनगर के लिए उड़ान भरेंगे और वहां कैडर से बातचीत करेंगे।

सूत्रों ने बताया कि अपने दो दिवसीय दौरे के दौरान वे इस केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव पूर्व गठबंधन के तौर-तरीकों को अंतिम रूप देने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे। उनके पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती से मुलाकात करने की भी संभावना है। राहुल व खरगे जम्मू और श्रीनगर दोनों जगह जाएंगे। इसके अलावा वह पार्टी में असंतोष की खबरों के मद्देनजर पार्टी नेताओं से भी बात कर इस मसले को हल करने की कोशिश करेंगे। खरगे और राहुल गांधी का यह दौरा सोमवार को चार चुनावी राज्यों के महासचिवों, प्रभारियों और स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्यों से मुलाकात के बाद हो रहा है।

सम्मानजनक गठबंधन पर बातचीत के लिए तैयार

कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने सोमवार को हुई इस बैठक के बाद बताया था कि पार्टी जम्मू और कश्मीर में भाजपा को सरकार से बाहर रखने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ गठबंधन के लिए तैयार है। नव नियुक्त जम्मू और कश्मीर कांग्रेस प्रमुख तारिक हमीद कर्रा ने इस भावना को दोहराते हुए कहा कि पार्टी विधानसभा चुनावों में एक सम्मानजनक गठबंधन के लिए समान विचारधारा वाली पार्टियों के साथ बातचीत के लिए तैयार है।

PDP में दूसरी सूची के बाद असंतोष के सुर

दूसरी ओर, पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) को कश्मीर में अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के असंतोष का सामना करना पड़ रहा है। पार्टी नेतृत्व ने सोमवार को विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की। जिनमें इन क्षेत्रों के पूर्व विधायकों और डीडीसी सदस्यों के नाम गायब हैं। इसी बात को लेकर पार्टी में असंतोष के सुर मुखर हो रहे हैं। पीडीपी ने सोमवार से दक्षिण कश्मीर की आठ सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की थी। इस सूची में पीडीपी प्रमुख महबूबा की बेटी इल्तिजा मुफ्ती का भी नाम शामिल है। इल्तिजा को वरिष्ठ नेता और चार बार के विधायक अब्दुर रहमान वीरी की जगह बिजबेहरा से टिकट दिया गया है। वीरी 1998 से नेशनल कॉन्फ्रेंस के खिलाफ इस विधानसभा सीट पर जीतते आ रहे थे। टिकट न मिलने से वीरी नाराज बताए जाते हैं। इसके अलावा, पीडीपी ने पूर्व विधायक वाची एजाज मीर की जगह महबूबा के पूर्व पीए गुलाम मोहिद्दीन को टिकट दिया गया है। हाल में हुए लोकसभा चुनाव में, अनंतनाग-राजौरी से पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती और श्रीनगर से वहीद पारा को हार का सामना करना पड़ा था।

प्रदेश नेतृत्व में बदलाव, कांग्रेस में घमासान!

ज्ञात रहे कि कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों की घोषणा के बाद प्रदेश कांग्रेस के नेतृत्व में बदलाव कर दिया था। विकार रसूल वानी को हटाने को पद से हटाकर पार्टी ने तारिक हमीद कर्रा को पार्टी की कमान सौंप दी थी। कयास हैं कि वानी इस बदलाव से खुश नहीं है। इस बदलाव के बाद पार्टी में मचे घमासान को शांत करने के लिए राहुल व खरगे के दौरे को काफी अहम माना जा रहा है। हालांकि पार्टी सूत्रों ने कांग्रेस में किसी भी तरह के घमासान की खबरों से इनकार किया।

जरूरी खबर

किशोरियों के मामले में हाई कोर्ट का फैसला खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के 2023 के उस फैसले को खारिज कर दिया, जिसमें किशोरियों को 'यौन इच्छाओं पर नियंत्रण' रखने की सलाह दी गई थी। सर्वोच्च न्यायालय ने 'किशोरों की निजता के अधिकार के संबंध में' शीर्षक से स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई की। दरअसल, ये मामला पिछले साल उच्च न्यायालय की विवादास्पद टिप्पणी के बाद शुरू किया गया। उच्च न्यायालय ने अपने फैसले में लड़कियों को अपनी यौन इच्छाओं पर नियंत्रण रखने को कहा था और नाबालिग लड़की के साथ यौन गतिविधियों में शामिल होने के आरोप से 25 वर्षीय व्यक्ति को बरी कर दिया था। अब न्यायाधीश अभय एस ओका और न्यायाधीश उज्जल भुयान की सर्वोच्च न्यायालय की पीठ ने उच्च न्यायालय के इस फैसले को खारिज कर दिया है। पीठ ने कहा कि निर्णय लिखने के तरीके के बारे में दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

J&K: आतंकियों के दो ठिकाने का पता चला

श्रीनगर। सुरक्षा बलों ने मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी में आतंकियों के एक एक भूमिगत आतंकी ठिकाने का भंडाफोड़ किया। अधिकारियों के मुताबिक सीमावर्ती जिले के दरहाल क्षेत्र के सागरवत जंगल में पुलिस, सेना और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के संयुक्त दल द्वारा घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान इस छिपे हुए ठिकाने का पता चलाआतंकियों के अंडरग्राउंड ठिकाने से रसोई गैस, कंबल और बर्तन समेत बड़ी मात्रा में दैनिक उपयोग की वस्तुएं बरामद की गईं।

पोर्श दुर्घटना केस में दो और आरोपी गिरफ्तार

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे पोर्श दुर्घटना केस में पुलिस ने जांच के दौरान आरोपी नाबालिग के खून का सैंपल बदले के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर सबूतों को पुख्ता करने में जुटी है। गिरफ्तार किए गए दो लोगों की पहचान आदित्य सूद और आशीष मित्तल के रूप में हुई है। आरोप है कि संदिग्ध नाबालिग आरोपी के साथ ही दो अन्य नाबालिगों के खून की अदला-बदली की गई। इन दोनों को पुणे क्राइम ब्रांच ने सोमवार रात को गिरफ्तार किया। वे मुख्य नाबालिग आरोपी के दो दोस्तों के ब्लड सैंपल बदलने में कथित तौर पर शामिल थे।

राष्ट्रपति ने प्रदान किए राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन के सांस्कृतिक केंद्र में आयोजित एक समारोह में राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार-2023 प्रदान किए। इस अवसर उन्होंने कहा कि भारत के 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए खनिज उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करना महत्वपूर्ण है।

चंद्रयान-4 व 5 के डिजाइन तैयार: सोमनाथ

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने मंगलवार को कहा कि अंतरिक्ष एजेंसी ने अगले चरण के चंद्र मिशन-चंद्रयान -4 और चंद्रयान 5 के लिए डिजाइन का काम पूरा कर लिया है। अब इसरो इस सिलसिले में सरकार से मंजूरी लेने की प्रक्रिया में जुटी हुई है। योजना के तहत चंद्रमा की सतह पर आसानी से चंद्रयान-4 को उतारा जाएगा। इसके बाद बाद चंद्रमा से चट्टानों और मिट्टी के नमूनों को धरती पर लाया जाएगा। इसके अलावा इस मिशन में चंद्रमा से एक अंतरिक्ष यान को प्रक्षेपित करना, चंद्रमा की कक्षा में अंतरिक्ष 'डॉकिंग' प्रयोग का प्रदर्शन करना और नमूनों को वापस लाना शामिल है। सोमनाथ ने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद और इंडियन स्पेस एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम से इतर यह बात कही।

डॉक्टर से रेप व हत्या का मामला: SC की बंगाल सरकार को फटकार...कड़ी टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों के लिए गठित की टास्क फोर्स, कार्य योजना भी बताई

■ हम अगले दुष्कर्म का इंतजार नहीं कर सकते ■ मां-बाप को शव देखने की इजाजत क्यों नहीं दी!

■ सीबीआई से कल तक मांगी स्टेटस रिपोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ हुए दुष्कर्म व हत्या के मामले पर सुप्रीम में मंगलवार को सुनवाई हुई। इस मामले पर कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने घटना पर चिंता जाहिर करते हुए पश्चिम बंगाल की ममता सरकार,राज्य की पुलिस और अस्पताल प्रशासन पर कई सवाल खड़े किए। इस मामले को लेकर कोर्ट ने आठ सदस्यीय नेशनल टास्क फोर्स गठन करने का भी आदेश दिया है। बाद में टॉस्क फोर्स का गठन कर दिया गया। इसके अलावा कोर्ट ने 22 अगस्त को सीबीआई से स्टेटस रिपोर्ट भी तलब की है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कई सख्त टिप्पणी की है। मामले की अगली सुनवाई अब 22 अगस्त को होगी। कोर्ट ने कहा कि आरजी कर अस्पताल में डॉक्टरों की चल रहे विरोध प्रदर्शन को राज्य बल का उपयोग कर जबरदस्ती बंद न कराया जाए।

सीजेआई ने कहा कि जैसे-जैसे महिलाओं की संख्या कार्यबल में बढ़ती जाएगी वैसे-वैसे महिलाओं की सुरक्षा की चिंता बढ़ती जाएगी। हम अगले दुष्कर्म का इंतजार नहीं कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि टास्क फोर्स में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)के निदेशक शामिल होंगे। टास्क फोर्स तीन हफ्ते में अंतरिम रिपोर्ट देगी।

एफआईआर दर्ज करने में तीन घंटे क्यों लगे!

सीजेआई ने पूछा कि क्या यह सच है कि पीड़ित परिवार को शव नहीं देखना दिया गया। इस पर पश्चिम बंगाल सरकार के वकील ने कहा कि ऐसे आरोप सही है। कोर्ट ने पूछा कि अभिभावक को शव सौंपने के साढ़े तीन घंटे के बाद एफआईआर क्यों किया गया। कोर्ट ने इस घटना पर राज्य सरकार की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कई सख्त सवाल पूछे हैं। कोर्ट ने पूछा कि पीड़िता की पहचान उजागर कैसे हुई? जब 7 हजार लोग अस्पताल में घुसे तब पुलिस वहां क्या कर रही थी।

डॉक्टरों की सुरक्षा पर जताई चिंता

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि यह सिर्फ एक हत्या का मामला नहीं है। कोर्ट ने डॉक्टरों की सुरक्षा की चिंता भी जताई है। वहीं, सोशल मीडिया पर पीड़िता की पहचान उजागर करने पर कोर्ट ने चिंता भी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अगर महिलाएं काम पर नहीं जा सकतीं और सुरक्षित नहीं रह सकतीं तो हम उन्हें बुनियादी समानता से वंचित कर रहे हैं।

पूर्व प्रिंसिपल से पूछताछ जारी

दूसरी ओर इस मामले की जांच कर रहे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने लगातार पांचवें दिन मंगलवार को भी कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल डॉ. संदीप घोष से पूछताछ की। उनके बयान में कई विसंगतियां मिल रही हैं और केंद्रीय एजेंसी उनका भी पॉलीग्राफ टेस्ट करा सकती है। सीबीआई पिछले चार दिन के दौरान डॉ. घोष से 40 घंटे से अधिक की पूछताछ कर चुकी है। लेकिन वह किसी भी सवाल का सीधा जवाब नहीं दे रहे हैं। इस बीच, घटना के विरोध में जूनियर डॉक्टरों का विरोध प्रदर्शन जारी है।

टास्क फोर्स के लिए कार्य योजना तय

टॉस्क फोर्स में देश के चुनिंदा डॉक्टर्स और स्वास्थ्य विशेषज्ञों को शामिल किया गया है। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने टास्क फोर्स को एक कार्य योजना (एक्शन प्लान) भी दी है। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने निर्देश दिया है कि एक्शन प्लान राष्ट्रीय स्तर का होगा। इसमें जेंडर के आधार पर होने वाली हिंसा पर लगाम लगाने का इंतजाम होना चाहिए। इसके अलावा, इंटर्न्स, रेजिडेंट और नॉन रेजिडेंट डॉक्टरों के लिए गरिमापूर्ण कामकाज का माहौल तैयार करने पर भी जोर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने अस्पतालों के एंट्री प्वॉइंट्स पर प्रॉपर स्क्रीनिंग और मरीज के साथ आने वाले अटेंडेंट्स की संख्या कम करने को भी एक्शन प्लान में शामिल करने की ताकीद की है।

कोर्ट ने पूछा-

- आखिर प्रिंसिपल क्या कर रहे थे?
- पुलिस ने क्राइम सीन को प्रोटेक्ट क्यों नहीं किया?
- एफआईआर दर्ज करने में देरी क्यों हुई?
- पीड़िता की पहचान उजागर कैसे हुई?
- जब 7 हजार लोग अस्पताल में घुसे तब पुलिस वहां क्या कर रही थी?

यह दिए गए सुझाव

- अस्पतालों के इमरजेंसी रूम के एरिया में अतिरिक्त सुरक्षा बढ़ाई जाए।
- एंट्री प्वॉइंट्स पर बैगेज स्क्रीनिंग हो, ताकि असलहाधारियों को अस्पताल में प्रवेश न मिले।
- मरीज के अलावा अन्य लोगों के प्रवेश पर भी रोक लगाई जाए, ताकि अनावश्यक भीड़ न हो।
- भीड़ के प्रबंधन के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जाएं।
- डॉक्टरों के लिए विश्राम कक्ष हो। इसके अलावा और डॉक्टरों, नर्सों के आराम के लिए कॉमन एरिया हो।इन जगहों पर एंट्री के लिए बायोमीट्रिक्स और फेशियल रिकॉग्निशन हो।

महाराष्ट्र: लोगों का उग्र प्रदर्शन, ट्रैक पर कब्जा

स्कूल में दो बच्चियों के यौन उत्पीड़न पर बवाल

एजेंसी । ठाणे

महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर के एक नामी स्कूल में दो बच्चियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न की घटना सामने आने के बाद पूरे शहर में बवाल मचा गया। लोगों ने उग्र प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में गुस्साए लोगों ने बदलापुर स्टेशन पर पहुंचकर प्रदर्शन किया है और रेलवे ट्रैक पर कब्जा कर लिया है। सरकार ने अब घटना की गहन जांच एसआईटी का गठन किया है।

बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप स्कूल टॉयलेट साफ करने वाले व्यक्ति अक्षय शिंदे पर लगा है। रिपोर्ट के अनुसार, पीड़ितों में से एक बच्ची चार साल की है और दूसरी छह साल की है। यह घटना 12 और 13 अगस्त की बताई गई है। पुलिस ने घटना में शामिल एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के मुताबिक ये घटना 13 अगस्त सुबह से 9 से 12 बजे के बीच की है। इसके बाद 16 अगस्त को बच्चियों ने स्कूल जाने से इनकार कर दिया। वो काफी डरी हुई थीं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार 14 अगस्त को एक बच्ची ने स्कूल से घर लौटने के बाद अपने माता-पिता से गुप्तांगों में दर्द की शिकायत की। बच्ची लगातार अपने माता-पिता से शिकायत करती रही तो माता-पिता को शक हुआ। उन्होंने लड़की से पूछताछ की तो घटना का पूरा सच पता चला। चिंतित माता-पिता ने उसी कक्षा की एक अन्य लड़की के माता-पिता से संपर्क किया तो उन्होंने भी कहा कि उनकी बेटी कुछ दिनों से स्कूल जाने से डर रही है। दोनों बच्चियों की हालत संदिग्ध होने पर माता-पिता ने तुरंत स्थानीय डॉक्टर से जांच कराया। उसमें बाद पता चला कि आरोपी ने बच्चियों के साथ बदसलूकी की थी।

आईजी स्तर की महिला अधिकारी करेंगी जांच

इस बीच, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा है कि घटना की जांच एक महिला आईपीएस अधिकारी करेंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने जांच के लिए महानिरीक्षक स्तर की भारतीय पुलिस सेवा की अधिकारी आरती सिंह को नियुक्त किया है। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल के कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ दरिंदगी और हत्या की घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया। इस घटना से बाद लोगों का आक्रोश थमा भी नहीं था कि अब महाराष्ट्र से ही कुछ ऐसे घटना सामने आई है।

भारत-मलेशिया में 8 समझौते

रिश्ते होंगे और मजबूत, आतंकवाद से मिलकर लड़ेंगे दोनों देश

एजेंसी । नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम के बीच मंगलवार को व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग समेत विभिन्न क्षेत्रों पर गहन बातचीत हुई। दोनों देशों ने फैसला किया कि द्विपक्षीय संबंधों को समग्र रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाएंगे। दोनों देशों ने आठ समझौतों पर हस्ताक्षर किए, जिनमें से एक मलेशिया में भारतीय श्रमिकों की भर्ती को बढ़ावा देने तथा उनके हितों की सुरक्षा से संबंधित करार है। वार्ता का मुख्य उद्देश्य संबंधों को फिर से गति प्रदान करना था। भारत और मलेशिया के प्रधानमंत्रियों ने

आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की बात की लेकिन इस्लामी प्रचारक जाकिर नाईक का मुद्दा बैठक में नहीं उठा। नाईक पर धनशोधन और कट्टरता फैलाने के आरोप हैं। एनआईए उसके खिलाफ जांच कर रही है। वह 2016 में मलेशिया चला गया और वापस नहीं लौटा। भारत उसे लगातार सौंपे जाने की मांग कर रहा है। मलेशिया के साथ भारत की प्रत्यर्पण संधि भी है। मलेशिया के प्रधानमंत्री की यात्रा को लेकर अटकलें लगाई जा रही थी कि भारत सरकार जोरदार तरीके से इस मामले को उठाएगी। लेकिन संयुक्त बयान में भी यह मुद्दा शामिल नहीं है।

विदेश मंत्रालय की तरफ से इस बारे में कुछ स्पष्ट नहीं कहा गया पर एक अन्य कार्यक्रम में मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कहा कि यह मुद्दा आज की बैठक में नहीं उठा। जानकार मान रहे हैं कि भारत का फोकस मलेशिया से संबंधों को मजबूती पर है। दरअसल, महातिर जब मलेशिया के प्रधानमंत्री थे तो उन्होंने जम्मू-कश्मीर से धारा 370 हटाने और सीएए को लेकर प्रतिकूल टिप्पणियां की थी जिसके बाद संबंधों में तल्खी आई थी।

आतंकियों को पनाह नहीं दी जाए

दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि किसी भी देश को आतंकवादियों को पनाह नहीं देनी चाहिए तथा आतंकवाद के दोषियों को शीघ्र न्याय के कठघरे में लाने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की। मोदी ने मलेशिया को दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों के संगठन 'आसियान' और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत का महत्वपूर्ण साझेदार बताया। दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में स्थिति की तरफ इशारा करते हुए मोदी ने कहा, हम अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार, जहाजों और विमानों की मुक्त आवाजाही के लिए प्रतिबद्ध हैं और सभी विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की वकालत करते हैं। दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में चीनी सेना की भड़काऊ कार्रवाई लगातार बढ़ रही है। मोदी-इब्राहिम के बीच वार्ता में मलेशिया के टुंकू अब्दुल रहमान विश्वविद्यालय में आयुर्वेद पीठ स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा मलय विश्वविद्यालय में तिरुवल्लुवर पीठ स्थापित करने का भी फैसला किया गया।

भारत -जापान में 2+2 वार्ता, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग अहम

भारत और जापान के बीच मंगलवार को तीसरी टू प्लस टू (2+2)मंत्री स्तरीय वार्ता नई दिल्ली में हुई। भारत की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस वार्ता में भाग लिया, जबकि जापान की ओर से रक्षा मंत्री मिनोरू किहारा तथा विदेश मंत्री योको कामिकावा ने शिरकत की। बैठक के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हिन्द प्रशांत क्षेत्र से भारत और जापान दोनों के हित गहराई से जुड़े हैं और इनकी साझेदारी क्षेत्र में शांति तथा स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, हमने परस्पर हित के द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों के बारे में चर्चा की। हिन्द प्रशांत क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण हितधारक होने के नाते, भारत और जापान कई मायनों में इस क्षेत्र के महत्वपूर्ण संरक्षक हैं। इसलिए यह भागीदारी हिन्द प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि मौजूदा वैश्विक माहौल में एक स्वतंत्र, खुला, समावेशी और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र सुनिश्चित करने के लिए भारत-जापान रक्षा साझेदारी को सुदृढ़ करना महत्वपूर्ण है।

जयपुर की लेडीज ने कराया फिटनेस का विशेष फोटो शूट

तिरंगे ध्वज के संग टफ स्टेप्स के साथ फिट इंडिया का दिया मैसेज

बेधड़क.जयपुर। जब बात फिटनेस की आई तो लेडीज ने सब काम छोड़कर एक्सरसाइज को प्रायोरिटी दी और स्वयं को साबित करने की कोशिश रही। ये थीं एफबीएस जयपुर की ओर से फिटलैब में लेडीज के लिए विशेष पिलाटेस सत्र में पसीना बहाने वाली महिलाएं, जिन्होंने पूरी दुनिया को फिटनेस का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य शहर की महिला उद्यमियों के बीच स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और सशक्तिकरण को बढ़ावा देना था। सत्र में विभिन्न पृष्ठभूमियों की महिलाएं शामिल हुईं, जो पिलाटेस के लाभों को जानने के लिए उत्सुक थीं। पिलाटेस एक ऐसा व्यायाम है जो लचीलेपन में सुधार, कोर शक्ति को बढ़ाने और शरीर के समग्र नियंत्रण को बेहतर बनाने के लिए जाना जाता है।

टफ एक्सरसाइज को भी अपनाया

इस दौरान लेडीज ने टफ एक्सरसाइज को भी अपनाया और कई स्टेप्स किए। पहल महिलाओं को न केवल उनके पेशेवर प्रयासों में, बल्कि उनके व्यक्तिगत कल्याण में भी समर्थन देने की प्रतिबद्धता का हिस्सा थी। इस दौरान महिलाओं ने तिरंगे को संग लेकर फोटो सेशन कराया और फिट इंडिया के संदेश को बुलंद किया। उन्होंने कहा कि जैसा कि हम अपने देश की आजादी और शक्ति का जश्न मना रहे हैं। यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हम अपने स्वास्थ्य और लचीलापन का पोषण करें। संस्थापक मेघा गुप्ता ने कहा, यह पिलाटेस सत्र उस लक्ष्य की ओर एक कदम था, जो हमारे महिलाओं को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत और संतुलित रहने में मदद कर रहा है।

इन्होंने किया सत्र का नेतृत्व

सत्र का नेतृत्व भानु प्रताप सिंह, कार्तिक, निकुंज द्वारा किया गया जिन्होंने प्रतिभागियों को व्यायाम की एक सीरीज के माध्यम से मार्गदर्शन किया। इसमें मुद्रा, लचीलापन और कोर स्थिरता में सुधार पर ध्यान केंद्रित किया गया। वैशाली मोदी, राखी खंडेलवाल, प्रेरणा धूत, सलोनी गुप्ता, सीमा अग्रवाल, खुशबू जैन आदि ने सत्र की समावेशिता और उनके व्यस्त कार्यक्रमों के बीच अपने स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करने के अवसर के लिए सराहना की।

पार्श्व पुराण वाचन में बोले मुनि

मंदिरों पर शिखर ध्वजा लगाने से समाज में बढ़ती है खुशहाली

बेधड़क. जयपुर। मुनि प्रणम्य सागर ने कवि भूधरदास द्वारा विरचित पार्श्वनाथ पुराण के चौथे अधिकार का वाचन करते हुए मरुभूति जीव के बारे में बताया। मुनि ने कहा कि संसार मरुस्थल जैसा है, जहां पर शीतलता रूपी वृक्ष का अभाव है। जो जीव 24 तीर्थंकर रुपी कल्प वृक्ष का ध्यान करता है वो ही शीतलता प्राप्त कर सकते हैं। समभाव रख सकता है, उसमें ही विनय गुण दिखाई दे सकता है। मुनि ने कहा कि पार्श्व पुराण में लिखा है कि हंस के वंश को जैसे चाल सिखाने की जरूरत नहीं होती है, उसी अनुरूप उत्तम कुल में जन्मे नर-नारी को नमन गुण सिखाने की जरूरत नहीं होती है। जिन मंदिरों की प्रभावना बढ़ाने के लिए हमें शिखर पर ध्वजा लगानी चाहिए। शिखर पर ध्वजा से धर्म की प्रभावना बढ़ती है। समाज में खुशहाली आती है। आज युवाओं को धर्म से जोड़ने की जरूरत है। यदि युवाओं को तार्किक रूप से समझाया जाए, आधुनिक उपकरणों के साथ समझाया जाए तो वो धर्म से ज्यादा से ज्यादा जुड़ेंगे और हमारा धर्म चिरकाल तक रह पाएगा। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर की पूजा की गई।

नेचर लवर्स ने किया पौधारोपरण

बेधड़क. जयपुर। नेचर लवर्स ग्रुप की ओर से एक पेड़ देश के नाम एक पेड़ मां के नाम अभियान के दौरान एक जुलाई से लगातार पौधरोपण किया जा रहा है। इसी कड़ी में श्रीप्रेमभाया मंदिर शिवदासपुरा में एम. एन. आई. टी. के साथियों के साथ पौधरोपण किया गया। इस दौरान नीम, जामुन, अमरूद, बेलपत्र आदि के पौधे लगाए गए। नेचर लवर्स ग्रुप अध्यक्ष श्रीकांत गुप्ता ने बताया कि ग्रुप के लगातार चल रहे अभियान में ये 41वां पौधरोपण रहा।

City इवेंट्स

चार पीढ़ी ने संग में किया सेलेब्रेट

बेधड़क. जयपुर। जयपुर ऐसा शहर है जहां आज भी परिवारों में एकता और सौहार्द के साथ घर के बड़ों का सम्मान देखा जाता है। ऐसा ही अनूठा नजारा शहर में लकड़ाजी परिवार में देखने को मिला जब 40 लोगों ने चार पीढ़ी के रूप में एक साथ रक्षा सूत्र पर्व सेलिब्रेट किया। सीए रवि मामोड़िया और सुमित बड़ाया ने बताया कि इस दौरान दुबई से भी सदस्य शामिल हुए और 90 साल से लेकर 5 साल तक के सदस्य ने एक साथ एक जगह मिलकर सौहार्द के साथ पर्व मनाया।

कार्यशाला में 40 प्रतिभागी होंगे शामिल

बेधड़क. जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से बुधवार से आधुनिक रंगमंच व गवरी लोकनाट्य शैली आधारित अभिनय व प्रस्तुतिपरक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। कार्यशाला के लिए उम्मीदवारों के ऑडिशन मंगलवार को हुए। 50 से अधिक आवेदन आए थे साक्षात्कार के बाद 40 उम्मीदवारों का चयन किया गया। कार्यशाला केन्द्र में दोपहर 1 से शाम 7 बजे तक 45 दिन तक चलेगी। राजस्थान की लोक नाट्य शैली गवरी में रंगमंच के पहलुओं का मुख्य रूप से समावेश है। कार्यशाला में प्रयोगात्मक तरीके से गवरी और मॉर्डन थिएटर पर काम किया जाएगा और एक नाटक तैयार किया जाएगा, जिसके मंचन से युवाओं को मंच भी मिलेगा। कार्यशाला के जरिए गवरी जैसी समृद्ध लोक नाट्य शैली से युवाओं को रूबरू होने का अवसर मिलेगा।

'सुर ताल संगीत उत्सव' 6 सितंबर से

बेधड़क. जयपुर। डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान, पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर और उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र पटियाला की ओर से जवाहर कला केंद्र के सहयोग से 6 से 8 सितंबर तक 'सुर ताल' उत्सव का आयोजन जेकेके में किया जाएगा। साथ ही तीन दिवसीय फोटोग्राफी कार्यशाला भी होगी, जिसमें मुंबई के फोटोग्राफर शिरीष कर्ाले गुर सिखाएंगे। डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान की अध्यक्ष श्रेया गुहा ने बताया कि आयोजन में सम्मिलित तीनों संस्थाएं योगदान दे रही हैं। 6 सितंबर की शाम को गुरु रणछोड़ लाल के हवेली संगीत से शुरुआत होगी और फिर दिल्ली के कोरियोग्राफर संतोष नायर के 30 सदस्यीय दल द्वारा विभिन्न नृत्यों की प्रस्तुति दी जाएगी।

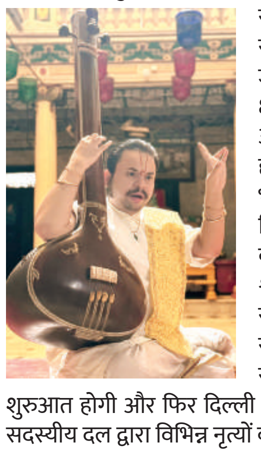

स्टेकहोल्डर्स ने प्रमुख शासन सचिव से की भेंट

आधी भरी हुई झीलों की सुंदरता बढ़ाने को उनमें पानी छोड़ा जाए

बेधड़क | जयपुर

टूरिज्म सेक्टर स्टेकहोल्डर्स की संस्था फैडरेशन ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म ऑफ राजस्थान (एफएचटीआर) के अध्यक्ष कुलदीप सिंह चंदेला के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने राजस्थान पर्यटन इकाई नीति पर चर्चा के उद्देश्य से पर्यटन विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ से मुलाकात की।

राठौड़ ने एफएचटीआर को 17 से 19 सितंबर तक पेरिस में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय ट्रैवल मार्ट, टॉपरेसा में भाग लेकर प्रदेश को प्रमोट करने का सुझाव दिया। इस मौके पर प्रतिनिधिमंडल ने पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मानसी वाकल योजना के तहत उदयपुर की पिछोला झील में पानी छोड़े जाने के लिए सिंचाई सचिव व संभागीय आयुक्त से चर्चा की जाने की बात का प्रस्ताव रखा। यह आवश्यक है कि आधी भरी प्रदेश की झीलों की सुंदरता बढ़ाने के लिए पानी छोड़ा जाए और राजस्थान में पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए।

इस मौके पर पर्यटन विभाग निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा मौजूद रहीं। इनके अलावा एफएचटीआर वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह शाहपुरा, एफएचटीआर उपाध्यक्ष और आईएचएचए एग्जीक्यूटिव मैंम्बर राजेंद्र पचार, तरुण बंसल, अध्यक्ष एचआरएआर गजेंद्र लूनीवाल, अध्यक्ष होटल एसोसिएशन ऑफ जयपुर राहुल अग्रवाल, अध्यक्ष एचएफआर व श्रेयांश शर्मा मौजूद रहे। गौरतलब है कि 13 से 15 सितंबर तक बिड़ला ऑडिटोरियम में राजस्थान डोमेस्टिक ट्रैवल मार्ट का आयोजन किया जाएगा।

शूटिंग के लिए आए एक्टर ने किया एंजॉय

32 इंच के पराठे पर आया टिंकू तलसानिया का दिल

बेधड़क | जयपुर

बॉलीवुड में कई ऐसे कलाकार हैं, जिनको इंडस्ट्री की धरोहर कहा जाए तो गलत नहीं होगा। ऐसी ही पर्सनेलिटी को जब गुलाबी नगरी में 32 इंच का पराठा दिखाई दिया तो वे स्वयं को रोक नहीं पाए और उसका स्वाद लेने लगे। ये थे बॉलीवुड के वर्सेटाइल सुपर एक्टर टिंकू तलसानिया, जो जयपुर में थे और उन्होंने मानसरोवर में 32 इंच के पराठे का स्वाद चखा। अभिनेता टिंकू तलसानिया रितिक मुंजाल के डायरेक्शन में जयपुर में शूटिंग के सिलसिले में आए थे।

विज्ञापन शूट के दौरान उनके साथ मोनू शर्मा, जस्सी कपूर, नलिनी खत्री, नेहल जैन और पल्लवी आदि शामिल थे। इस दौरान जब उनको 32 इंच के पराठे का पता चला तो वे अपने आप को रोक नहीं पाए और पराठा खाने पहुंच गए। उन्होंने किचन में मेकिंग से लेकर सर्व करने के तरीके को करीब से देखा। बात की जाए टिंकू के फिल्म सफर की तो उन्होंने बॉलीवुड की कई बेहतरीन मूवीज में काम करके पूरे देश को एंटरटेन किया है। शुरुआत 1986 में प्यार के दो पल से की थी और फिर दिल के कि मानता नहीं, बोल राधा बोल, अंदाज अपना-अपना, मिस्टर बेचारा, इश्क, जोड़ी नगर वन, देवदास आदि तमाम फिल्मों में काम किया।

पर्व एक महीने पूजा-पाठ, धार्मिक आयोजनों की रहेगी धूम

षोडशकारण और मेघमाला व्रत से जैन मंदिरों में रौनक

बेधड़क | जयपुर

दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों के षोडशकारण व मेघमाला व्रत भाद्रपद कृष्णा एकम मंगलवार से शुरू हुए और इस दौरान दिगम्बर जैन मंदिरों में रौनक बढ़ गई। व्रत 18 सितम्बर तक चलेंगे। जैन धर्मावलंबी एक माह तक षोडशकारण पर्व मनाएंगे। इसके साथ ही 8 सितम्बर से दशलक्षण महापर्व प्रारम्भ होगें जो 17 सितम्बर तक चलेंगे। इस दौरान शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा-पाठ, धार्मिक आयोजनों की धूम रहेगी।

ये हैं जैन धर्म के 10 लक्षण

जैन धर्म के उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम सत्य, उत्तम शौच, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन व उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म के 10 लक्षण होते हैं। इन 10 दिनों में सुबह से जैन मंदिरों में अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजा, मुनिराजों की विशेष प्रवचन श्रृंखला, श्रावक संस्कार साधना शिविर, महाआरती, धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम होते हैं।

रोट तीज और चौबीसी व्रत

24 अगस्त को चन्दन षष्ठी, 3 से 6 सितम्बर तक लब्धिविधान तेला, 6 सितम्बर को रोट तीज व चौबीसी व्रत मनाया जाएगा। 8 से 12 सितम्बर तक पुष्पांजलि व्रत(फलफांदन), 8 से 17 सितम्बर तक, दशलक्षण व्रत, 10 सितम्बर को निर्दोष सप्तमी, 13 सितम्बर को सुगन्ध दशमी मनाई जाएगी। 15 से 18 सितम्बर तक कर्म निर्झरा तेला, 16 से 18 सितम्बर तक रत्नत्रय व्रत व तेला, 17 सितम्बर को अनन्त चतुर्दशी दशलक्षण समापन कलश होंगे।

सही मायने में अनुभव ही आपका गुरु है, बस हम में उसे समझने की क्षमता होनी चाहिए।
विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

अमेरिका का जी-जान से प्रयास... मिडिल ईस्ट में लौटेगी शांति!

इजराइल ने गाजा युद्धविराम प्रस्ताव किया स्वीकार

याह्या सिनवार, हमास का नया चीफ।

अब हमास के पाले में गेंद

एजेंसी | तेल अवीव

इजराइल और हमास के बीच पिछले साल से ही जंग चल रही है, जिसकी वजह से गाजा में हजारों लोगों की मौत हुई है। जंग के बीच शांति की धुंधली हो रही रोशनी एक बार फिर से उजाला करने को तैयार नजर आ रही है। इसकी वजह ये है कि इजराइल ने गाजा में युद्धविराम के लिए पेश किए गए प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है। हालांकि, अब गेंद हमास के पाले में है, जिसे ये फैसला करना है कि वह शांति चाहता है या फिर गाजा में चल रही जंग को बरकरार रखना चाहता है। रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने वाशिंगटन के जरिए पेश किए गए 'ब्रिजिंग प्रस्ताव' को स्वीकार कर लिया है। इस प्रस्ताव में गाजा में युद्धविराम समझौते को रोकने वाली असहमति से निपटने का प्लान है। ब्लिंकन ने गाजा में शासन चलाने वाले हमास से भी ऐसा ही करने की गुजारिश की है। ब्रिजिंग प्रस्ताव को स्वीकारने से अब गाजा में युद्धविराम का रास्ता तैयार होने लगा है। अमेरिका गंभीरता से युद्ध विराम के प्रयास कर रहा है, क्योंकि वो जानता है कि यदि यह जंग अब भी

ब्रिजिंग प्रस्ताव शांति का आखिरी मौका

इजराइली अधिकारियों और नेतन्याहू के साथ मुलाकात के बाद ब्लिंकन ने पत्रकारों से मुलाकात की और गाजा में शांति को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने पहले कहा था कि ये प्रस्ताव शांति समझौते के लिए आखिरी मौका साबित हो सकता है। युद्धविराम और बंधक वापसी समझौते की मांग को लेकर कतर में बातचीत पिछले सप्ताह बिना किसी नतीजे के रुक गई थी। अगर इजराइल और हमास के बीच दूरियों को पाटने के अमेरिकी प्रस्ताव के आधार पर इस हफ्ते बातचीत के फिर से शुरू होने की उम्मीद है।

ब्रिजिंग प्रस्ताव का समर्थन करते हैं नेतन्याहू: एंटनी ब्लिंकन

अमेरिकी विदेश मंत्री ने तेल अवीव में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए सोमवार को कहा, "आज प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ बहुत ही रचनात्मक बैठक हुई। उन्होंने मुझसे इस बात की पुष्टि की है कि इजराइल ब्रिजिंग प्रस्ताव को स्वीकार कर रहा है और वह इसका समर्थन करते हैं।" ब्लिंकन ने आगे कहा, "अब ऐसा ही करना हमास पर भी निर्भर करता है. फिर मध्यस्थों (अमेरिका, मिस्र और कतर) की मदद से सभी पक्षों को एक साथ आना होगा। उन्होंने साफ करना होगा कि वे इन प्रतिबद्धताओं को कैसे लागू करेंगे, जो उन्होंने इस समझौते के तहत किया है।"

अब यदि गाजा में नहीं रुकी जंग, तो तृतीय विश्व युद्ध का होना पक्का!

गाजा में चल रही जंग को 10 महीने से ज्यादा हो गए हैं और इजराइल-हमास के बीच महायुद्ध ने अकेले गाजा शहर में 40 हजार जिंदगियां लील ली हैं। हजारों मासूमों का कत्ल होने के बाद भी यहां हर दिन धमाके और लाशों के ढेर मिल रहे हैं। गाजा में युद्धविराम रोकने के कई प्रयास भी किए गए, लेकिन वो सभी नाकाम रहे। इजराइल और हमास इसके लिए एक-दूसरे पर दोष मढ़ते हैं। अब अमेरिका ने हाल ही में यह बयान देकर दुनिया को दहशत में डाल दिया कि गाजा में जंग रोकने की यह आखिरी कोशिश है, 40 हजार मौतों के बाद भी अब अगर गाजा में कत्लेआम नहीं रुका तो तृतीय विश्व युद्ध रोकना लगभग असंभव होगा। अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन ने इजरायली पीएम नेतन्याहू से भी मुलाकात की। अमेरिका को डर है कि हिजबुल्लाह और ईरान पहले से इजरायल पर तिलमिलाए हुए हैं । हालिया रिपोर्ट में पता लगता है कि हिजबुल्लाह मध्य पूर्व में बड़ी जंग की तैयारी कर रहा है। उसने हथियारों से लैस और अपनी गुफाओं से जुड़े प्रमोशनल और प्रोपेगेंडा वीडियो पोस्ट कर इजराइल को चेतावनी दी है कि अब अगर वो गाजा में नहीं रुका तो इजराइल को कोई नहीं बचा सकता। उधर, ईरान भी इजराइल को लगातार धमका रहा है।

बांग्लादेश में पूर्व PM जिया का बैंक अकाउंट होगा अनफ्रीज

17 साल से था ब्लॉक

एजेंसी | ढाका

बांग्लादेश में विपक्षी नेता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का बैंक अकाउंट पर लगी रोक हटा दी गई है। राष्ट्रीय राजस्व बोर्ड (एनबीआर) ने सोमवार को जिया के बैंक अकाउंट अनफ्रीज करने का फैसला किया। उनके बैंक खातों पर 17 साल से रोक लगी हुई है। अकाउंट कब अनफ्रीज होगा इस बारे में पता नहीं चल पाया है।

एनबीआर के सेंट्रल इंटेलिजेंस सेल ने अगस्त 2007 में खालिदा जिया के खातों को फ्रीज करने का आदेश दिया था। तब से उनके खाते ब्लॉक हैं। BNP ने कई बार उनके खाते खोलने की मांग की है। शेख हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद यह फैसला किया गया है। बांग्ला मीडिया के मुताबिक एनबीआर ने कहा कि खालिदा जिया के खिलाफ कोई जांच का मामला नहीं है, इसलिए बैंकों को उनके सभी खातों को अनफ्रीज करने के निर्देश दिए हैं। इससे पहले, हसीना के 5 अगस्त को देश छोड़ने के बाद खालिदा को जेल से रिहा कर दिया गया था। उनको 2018 में भ्रष्टाचार के मामले में 17 साल जेल की सजा सुनाई गई थी।

हसीना के खिलाफ इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल में केस दर्ज

शेख हसीना की बढ़ी मुश्किलें

शेख हसीना की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। बांग्लादेश के इंटरनेशनल क्राइम ट्रिब्यूनल (आईसीटी) में सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके 26 मंत्रियों के खिलाफ नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराध की शिकायत दर्ज की गई। शिकायतकर्ता का नाम मोहम्मद अबुल हसन है। अबुल हसन के बेटे शहरयार हसन अल्वी की छात्र आंदोलनों के दौरान मौत हो गई थी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कहा है कि वह हसीना की सरकार के खिलाफ छात्रों के आंदोलन में हुई हत्याओं के लिए केस चलाएगी।

2 दिन में 3 केस दर्ज

शेख हसीना पर 2 दिन में 3 केस दायर किए गए हैं। इससे पहले 13 अगस्त को हसीना पर हत्या का केस दर्ज हुआ था। आरक्षण विरोधी आंदोलन के दौरान 19 जुलाई को पुलिस फायरिंग में एक दुकानदार अबु सैयद की मौत हो गई थी। इसमें हसीना के साथ 6 और लोगों को आरोपी बनाया गया। हसीना पर बुधवार को अपहरण का केस दर्ज हुआ। सुप्रीम कोर्ट के वकील सोहैल राणा ने कहा कि हसीना के इशारे पर 2015 में रैपिड एक्शन बटालियन के जवानों ने उसका अपहरण कर लिया था। इस मामले में हसीना के साथ 5 अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया।

डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन

कमला बनीं ऑफिशियल कैंडिडेट

एजेंसी | वाशिंगटन

अमेरिकी के शिकागो में डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन (डीएनसी) सोमवार को शुरू हो गया है। कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को मशाल सौंपी। इसके साथ ही कमला डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से राष्ट्रपति का औपचारिक कैंडिडेट बन गई हैं। शिकागो कन्वेंशन के पहले दिन राष्ट्रपति जो बाइडेन, फर्स्ट लेडी महिला जिल बाइडेन और पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने भी भाषण दिया। बाइडेन जब मंच पर पहुंचे तो लोग 'थैंक्यू जो' के नारे लगा रहे थे। उन्होंने अपनी बेटी एश्ले बाइडेन को गले लगाया। इस दौरान वे अपने आंसू पोंछते भी नजर आए।

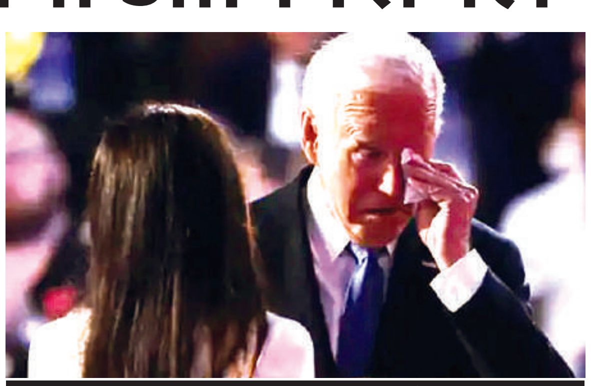

22 अगस्त को खत्म होगा कार्यक्रम

कार्यक्रम के आखिरी दिन गुरुवार को कमला औपचारिक भाषण देंगी। सोमवार को बाइडेन बोले- डेमोक्रेसी बचाने के लिए राष्ट्रपति बना। उन्होंने अपने विदाई भाषण में अपने कार्यकाल की उपलब्धियों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये काम कमला हैरिस के साथ किया। उन्होंने कोरोना के दौर में अमेरिका को पूरी दुनिया में सबसे मजबूत इकोनॉमी बनाने की बात कही। बाइडेन ने कहा कि पार्टी डेमोक्रेसी को बरकरार रखने के लिए लड़ रही है। वे 2020 का चुनाव भी इसीलिए लड़ रहे थे।

ट्रम्प पर जमकर निशाना साधा

बाइडेन ने कहा कि अमेरिका में राजनीतिक हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। ट्रम्प जब अमेरिका के बारे में बात करते हैं तो लगता है कि अमेरिका कोई बिखरता हुआ देश है। वे दुनिया में अमेरिका की छवि को खराब करते हैं। ट्रम्प कहते हैं कि अमेरिका हार रहा है, असल में वे लूजर हैं। दुनिया के किसी एक ऐसे मुल्क का नाम बताओ, जो ये नहीं सोचता हो कि हम दुनिया में सबसे आगे हैं? अमेरिका जीत रहा है। ट्रम्प के पिछले कार्यकाल की तुलना में अमेरिका अब अधिक समृद्ध और सुरक्षित है।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl